आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 30 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 55

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

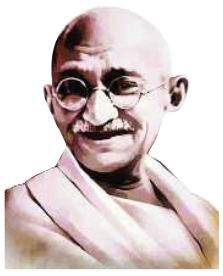

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

हड़ताल बाद दागी कंपनी ने संभाली जिम्मेदारी

पेज-2

धुरंधर ने हिंदी फिल्मों को नई राह दिखाई- अनुपम खेर

पेज-5

बिना वजन के वाजिब भुगतान भी आपत्ति...

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- बांग्लादेश : खालिदा जिया के निधन पर मोहम्मद युनूस ने जताया शोक
- दिल्ली में घने कोहरे से ट्रेन परिचालन प्रभावित, सौ से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रहीं
- महाराष्ट्र : बीएमसी चुनाव में 137 सीटों पर लड़ेगी बीजेपी, महायुति में शिवसेना को मिलीं 90 सीटें
- केरल : सबरीमाला मंदिर आज मकरविलक्कू पर्व के लिए खुलेगा
- केजीएमयू धर्मांतरण मामला : प्रदर्शन के बाद बदली जांच समिति, महिला डॉक्टर और रिटायर्ड आईपीएस शामिल
- ट्रंप की हमास को चेतावनी, हथियार डालने का छोटा वक्त, नहीं माना तो अंजाम तय
- ताइवान के आसपास चीन आज 'जस्टिस मिशन 2025' लाइव फायर ड्रिल करेगा
- गाजा बातचीत के केंद्र में, ट्रंप ने कहा- कई अहम विषयों पर चर्चा, गाजा उनमें प्रमुख एजेंडा
- एचएएल का ध्रुव-एनजी हेलिकॉप्टर आज पहली सिविल उड़ान भरेगा
- जयपुर में किसान महापंचायत से जुड़े संगठनों का आज विरोध मार्च

पटवारी के वनवास को सुमित मिश्रा ने सत्ता की बेचैनी बताया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के वनवास संबंधी बयान पर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इंदौर प्रवास के दौरान सोमवार को कार्यकर्ताओं से अनौपचारिक चर्चा में पटवारी के इस बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को जब सत्ता नहीं मिलती तो वे उसे ही वनवास समझने लगते हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद सत्ता का सुख मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा न होने से वे निराश नजर आ रहे हैं। इसके अलावा पटवारी ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि सभी विभागों में

कमीशन बड़े स्तर पर चल रहा है।

भाजपा का कांग्रेस नेतृत्व पर हमला- नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने आरोप लगाया कि मौजूदा कांग्रेस नेतृत्व ने ही पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को हाशिए पर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे अनुभवी नेताओं को भी वनवास पर भेजने का काम जीतू पटवारी ने किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता वर्तमान नेतृत्व से असंतुष्ट हैं और वे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। इसके साथ ही मिश्रा ने और भी कई तंज कसे।

नर्मदा परिक्रमा पर तंज- अपने बयान में मिश्रा ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि दिग्विजय सिंह पहले ही नर्मदा परिक्रमा कर चुके हैं। कहीं ऐसा न हो कि मौजूदा हालात में पूरी कांग्रेस को ही नर्मदा परिक्रमा पर निकलना पड़ जाए।

शहर में एयर क्वालिटी कंट्रोल के लिए निगम का अनूठा प्रयोग

150 वेस्ट कलेक्शन वाहनों पर निगम ने लगाए वॉटर ड्रम स्प्रे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम द्वारा शहर की हवा को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए अनूठा प्रयोग किया जा रहा है, जिसके तहत कचरा गाड़ी के नीचे वॉटर ड्रम लगाकर स्प्रे से पानी का छिड़काव सड़क पर किया जा रहा है, जिससे गाड़ी के चलने पर उड़ने वाली धूल को हवा में उड़ने से रोका जा सकेगा। सड़क पर नमी होने के कारण अन्य वाहनों के गुजरने पर भी कुछ समय तक धूल को नियंत्रित किया जा सकेगा। नगर निगम की वर्कशॉप में अब तक 150 वाहनों में वॉटर ड्रम लगाए जा चुके हैं।

धूल नियंत्रित करने का प्रयास

कचरा गाड़ियां हर दिन शहर में 400 किमी का सफर अपने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के दौरान करती है, जिसमें गली-मोहल्लों के साथ मुख्य मार्ग भी शामिल हैं। कचरा कलेक्शन के दौरान गाड़ी की स्पीड कम रहती है, जिससे धूल और धुआं होता है, जिसको नियंत्रित करने के लिए कचरा गाडियों में पानी का स्प्रे लगाया दिया है, जो धूल को नियंत्रित करेगा।

फीडबैक के आधार पर सुधार

नगर निगम वर्कशॉप प्रभारी मनीष पांडे ने बताया कि वाहन चालाकों से वॉटर ड्रम स्प्रे लगाए जाने के बाद गाड़ी चलाने के संबंध में फीडबैक लिया जा रहा है। यह प्रयोग सफल है। वाहन चालकों को छोटी-मोटी समस्या के अलावा कोई समस्या नहीं है। 50 लीटर पानी का इम लगा होने के कारण टंकी में बार-बार पानी भरने की समस्या नहीं है। पूरे रूट पर पानी चल रहा है। वर्कशॉप प्रभारी पांडे ने बताया कि हम लगातार फीडबैक लेकर वाहन चालकों के सुझाव अनुसार सुधार भी कर रहे हैं।

स्वच्छता की मिसाल इंदौर में दूषित पानी से बीमार पड़े लोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से बड़ा स्वास्थ्य संकट सामने आया है। भागीरथपुरा इलाके में गंदा पानी पीने से 150 से ज्यादा लोग बीमार पड़े, 35 से अधिक अस्पताल में भर्ती हैं। प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल।

देशभर में स्वच्छता के लिए पहचान बना चुका इंदौर इन दिनों दूषित पानी की वजह से चर्चा में है। शहर के भागीरथपुरा इलाके में गंदा पानी पीने से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए हैं। उल्टी, दस्त, पेट दर्द और जी मिचलाने जैसे लक्षण सामने आने के बाद कई लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। एक ही इलाके से लगातार मरीज सामने आने से लोगों में डर और चिंता का माहौल है। स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के अनुसार यह समस्या 24 दिसंबर से शुरू हुई थी, लेकिन बीते दो दिनों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सोमवार को स्थिति बिगड़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक दूषित पानी से प्रभावित लोगों की संख्या लगभग 150 तक बताई जा रही है, जबकि 35 से अधिक मरीजों का इलाज अस्पतालों में चल रहा है।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से बिगड़े हालात- भागीरथपुरा क्षेत्र के रहवासियों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से नलों से बदबूदार और गंदा पानी आ रहा था। कुछ लोगों ने पानी के रंग में बदलाव की भी शिकायत की। इसी पानी का इस्तेमाल पीने और खाना बनाने में किया गया, जिसके बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। शुरुआत में हल्के लक्षण दिखे, लेकिन धीरे-धीरे मरीजों की संख्या बढ़ती चली गई।

कागजी कार्यवाही से छूट : गाइडलाइन में संशोधन से स्टूडेंट्स को मिलेगी राहत

एमपी बोर्ड में शिफ्ट होने पर काउंटर साइन की जरूरत नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● एमपी बोर्ड ने अपनी गाइडलाइन में संशोधन करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीबीएसई) से एमपी बोर्ड में आने वाले स्टूडेंट्स को राहत दी है। अब सीबीएसई से आकर एमपी बोर्ड से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को अब टीसी में काउंटर साइन सहित कागजी कार्रवाई से काफी हद तक छुटकारा मिलेगा।

मंडल की 10वीं-12वीं की वार्षिक परीक्षा 7 फरवरी से शुरू हो रही है। इन परीक्षाओं के लिए एमपी बोर्ड की गाइडलाइन संशोधन के बाद सीबीएसई के

स्टूडेंट्स टीसी पर उन्हें काउंटर साइन कराने की जरूरत नहीं होगी। यह कार्य स्कूल प्राचार्य करेंगे। इसका फायदा प्रदेश के उन 10 से 15 हजार विद्यार्थियों को मिलेगा, जो सीबीएसई को छोड़कर एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल होते हैं। प्रदेश के सभी जिलों को मंडल ने इसके निर्देश जारी किए हैं। एमपी बोर्ड परीक्षाओं में सालाना औसतन 18 लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं।

अभी ये है प्रोसेस- एमपी बोर्ड के स्कूलों के साथ प्राइवेट परीक्षा देने वाले विद्यार्थी भी होते हैं। विद्यार्थियों की पहचान बनाए रखने के लिए परीक्षा से पहले रजिस्ट्रेशन कराया जाता है। दूसरे बोर्ड और अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को टीसी और माइग्रेशन पर काउंटर साइन की जरूरत होती है। सीबीएसई की रोक के बाद मंडल ने प्रवेश और परीक्षा फार्म भरने के नियमों में भी संशोधन कर किया है। एमपी बोर्ड में हर साल तीन से 40 हजार विद्यार्थी सीबीएसई से आते हैं। इनमें 12वीं में पहुंचने वालों की संख्या ज्यादा है।

सीबीएसई की वेबसाइट से होगा स्कूल का वेरिफिकेशन

सीबीएसई स्कूलों की सूची वेबसाइट पर अपलोड है। एमपी बोर्ड के स्कूल प्राचार्य को उक्त सूची से टीसी वेरिफिकेशन करना होगा। उसे जारी करने वाले स्कूल का क्रमांक लिखना होगा। स्कूल प्राचार्य को घोषणा पत्र देना होगा है।

पुलिस कमिश्नर को रात डेढ़ बजे फील्ड की फोटो भेजेंगे एसीपी और एडिशनल सीपी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सीएम मोहन यादव के प्रभार वाले जिले इंदौर में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति सुधारने के लिए पुलिस कमिश्नर (सीपी) संतोष सिंह जुटे हुए हैं। वहीं, थानों में हो रही मनमर्जी खाकी को लगातार कठघरे में खड़ा कर रही है। अब न्यू ईयर को देखते हुए और व्यवस्था को सख्त करने के लिए सीपी ने नए आदेश दिए हैं।

मैदान में उतरो सभी पुलिस अधिकारी

इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने अब नया आदेश दिया है। इसके तहत टीआई और पुलिस थानों को मैदान में उतरने के निर्देश थे। वहीं, अब इसमें एसीपी और एडिशनल डीसीपी को भी आदेश मिले हैं।

सीपी ने इन सभी को कहा है कि वह अपने क्षेत्र में रात डेढ़ बजे तक तो मैदान पर ही डटे रहें। थाना प्रभारियों के भरोसे नहीं रहें और खुद भी सक्रियता से मैदान संभालें।

न्यू ईयर के लिए यह तैयारी

वहीं न्यू ईयर पर किसी भी तरह के हुड़दंग को रोकने के लिए और ड्रिंक एंड ड्राइव रोकने के लिए भी नए आदेश दिए गए हैं। इसके तहत क्षेत्र के बार, रेस्टोरेंट की सूची बनाकर अधिकारियों को कहा गया है कि हर चौराहे और सड़क पर ब्रीथ एनालाइजर के साथ सख्त जांच की जाए। औसतन दो से तीन किमी की दूरी पर वाहन चालकों की यह जांच होगी। इससे किसी भी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके।

मैदान से ही भेजो फोटो

सीपी ने एसीपी और एडिशनल डीसीपी से रात डेढ़ बजे मैदान पर ही मौजूद रहने की फोटो भेजने के भी आदेश दिए हैं। ताकि सक्रियता में कोई कसर बाकी न रहे। साथ ही निर्देश दिए हैं कि प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, बाउंड ओवर करने में कोई कोताही नहीं करें।

क्षेत्र के सभी बदमाशों पर यह कार्रवाई होना चाहिए। क्षेत्र में यदि कोई घटना होती है तो इसमें अब टीआई के साथ ही एसीपी और एडीसीपी की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

आरएसएस के संगठन ढांचे में बड़े बदलाव की है तैयारी

46 प्रांतों की जगह 75 से अधिक संभाग बनाए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) ● राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जिस संगठन क्षमता से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह खासे प्रभावित हैं, उसमें आमूल-चूल परिवर्तन पर विचार हो रहा है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के समापन के बाद संघ इस बारे में अंतिम निर्णय कर सकता है। इसमें जमीनी स्तर पर संघ के ढांचे को मजबूत करना और संगठन का विकेंद्रीकरण करना शामिल है। आरएसएस सूत्रों के अनुसार अगले साल मार्च में होने वाली आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में इस बारे में निर्णय किया जा सकता है। यह संघ की सर्वोच्च निर्णायक संस्था है जिसमें सारे बड़े फैसले किए जाते हैं। दरअसल, इस साल 30

अक्टूबर से एक नवंबर तक जबलपुर में हुई आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संगठन में आमूलचूल परिवर्तन करने के सुझाव पर चर्चा हुई। इसके बाद संघ के भीतर इस सुझाव पर चर्चा जारी है और अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। अगर अगले साल मार्च में इस पर सहमति बनती है संगठन के ये बड़े परिवर्तन 2027 से लागू किए जा सकते हैं।

शेष बचे 02 दिन... साल 2025 की यादें होगी ताजा 'दैनिक इंदौर संकेत' के साथ

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में 20 मई 2025 को गौरव का अवसर आया, जब मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट की मिटिंग ऐतिहासिक राजबाड़े के हाल में हुई थी। इस मिटिंग में सीएम मोहन यादव और मंत्रियों का मालवी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया था। लालबाग परिसर से राजवाड़ा तक मुख्यमंत्री और मंत्री एक बस में सवार होकर आए थे।

कांग्रेस में विरोध | **सरदार पटेल की तरह सच कहने की परंपरा को आगे बढ़ाया**

दिग्विजय सिंह के समर्थन में खुलकर आए उनके मित्र कैलाश वजयवर्गीय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ करने जाने के बाद राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। जहां कांग्रेस के भीतर इस बयान को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अब भाजपा के वरिष्ठ नेता और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय खुलकर अब दिग्विजय सिंह के समर्थन में सामने आए हैं। विजयवर्गीय ने सोमवार को एक्स पर दिग्विजय सिंह के बयान का समर्थन किया। उन्होंने लिखा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन सच कहने का साहस भी होना चाहिए जो हर किसी में नहीं

होता। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आरएसएस की तारीफ कर अपने साहसी होने का परिचय दिया है। हालांकि, इससे दिल्ली दरबार में उनके नंबर अवश्य कम हुए होंगे, पर दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के अंदर 50 के दशक के नेता सरदार पटेल और अन्य नेताओं की उस परंपरा पर चलने का काम किया है जो सच कहने की हिम्मत रखते थे।

कांग्रेस सांसद ने दिग्विजय के बयान पर जताया था ऐतराज

तमिलनाडु की विरुधुनगर से सांसद और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मणिकम टैगोर ने रविवार को दिल्ली में दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर कहा कि आरएसएस नफरत का संगठन है। वो संगठित तरीके से नफरत फैलाता है। उससे सीखने के लिए कुछ नहीं हैं। आप अलकायदा से कुछ सीख सकते हैं क्या? अलकायदा एक नफरत का संगठन है वो दूसरों से नफरत करता है, उस संगठन से सीखने के लिए क्या है?

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर ने किसान के परिवार को दी 4 लाख रुपये की सहायता राशि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना मृतक किसान के परिजनो के लिए बहुत बड़ा आसरा मतलब सहारा साबित हो रही है। पिछले दिनो किसान की मृत्यु होने पर , बड़वानी कलेक्टर ने किसान की वारिस पत्नी को आर्थिक सहायता राशि का चेक सौंपा। वझर गांव के कुंवरसिंह पिता तेरसिंह की 2 दिसंबर 2025 को खेत में मक्का की फसल में खाद डालते समय विद्युत तार की चपेट में आने से मृत्यु हो गई थी। इस मामले में निवाली तहसीलदार और राजस्व अनुविभागीय अधिकारी की जाँच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर घटना की सत्यता साबित होने पर जिला कलेक्टर जयति सिंह ने मृतक किसान की वारिस पत्नी सुशीला बेवा कुंवरसिंह को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक सौंपा।

आधुनिक तकनीक के चलते नयी नस्ल के गेंहू से बदली शांतिलाल की जिंदगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आधुनिक नई सोच,अपनी मेहनत पर विश्वास,और खेती में नवाचार के अलावा योग्य व्यक्ति से मिला सही मार्गदर्शन किसी भी किसान की किस्मत अथवा हालात बदल सकता है। यह बात बड़वानी जिले में वरला तहसील के सीली गांव में सौं टंच खरी साबित हो रही है। यहां रहने वाले प्रगतिशील विचारों के धनी किसान शांतिलाल आर्य ने इसी राह पर चलते हुए अपनी खेती को नये आयाम और बेहतर मुकाम दिये है। जो इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प और लगन हो तो सफलता जरूर मिलती है। कृषक शांतिलाल के दिमाग मे शुरु से ही पारंपरिक खेती से हटकर कुछ नया करने का जुनून सवार था हर समय कृषि विज्ञान के माध्यम से कुछ अलग हट कर नवाचार करना चाहते थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव चित्तौड़ा गांव में भागवत कथा आयोजन में पहुँचे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सांवेर तहसील के चित्तौड़ा गांव में परम पूज्य श्री कमल किशोर नागर की भागवत कथा आयोजन में पहुँचे। यहां उन्होंने श्रदालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मन भरने के लिए सत्संग उच्च मार्ग है। उनके प्रवचन अपने मन से मानसिक शांति का अवसर बनता है। वर्तमान में भक्ति भाव का दौर और कही नही हो सकता है। ये सिर्फ हमारे में देश मे संभव है। गंगा जी के दर्शन और महाराज के प्रवचन हमारे और समाज के लिए इस दौर में सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता की वकालत का जो कार्य महाराज द्वारा किया वो अतिउत्तम है। हजारों गोशालाएं। सद्कार्य की प्रेरणा देने के लिए गोशालाएं प्रारम्भ की। 33 करोड़ देवी देवताओं के दर्शन कराए है।

मामला एमवायएच और संबद्ध अस्पताल का विरोध प्रदर्शन के कारण सेवाएं चरमरा गई

हड़ताल बाद दागी कंपनी ने संभाली काम की जिम्मेदारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमवायएच में चूहा कांड होने के बाद यहां सुरक्षा और हाउसकीपिंग का काम संभाल रही आउटसोर्स कंपनी एजाइल को बर्खास्त कर दिया गया था। 1 दिसंबर से नई कंपनी बीवीजी (भारत विकास ग्रुप) को एचएलएल ने जिम्मेदारी दे दी थी। इसका विरोध कॉलेज प्रशासन के साथ ही मेडिकल एजुकेशन विभाग, भोपाल से भी किया था, क्योंकि बीवीज कंपनी को प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेज से टर्मिनेट किया गया था। एमजीएम मेडिकल कॉलेज डीन और भोपाल स्थित मुख्यालय ने बीवीजी को कार्य न संभालने के लिए पत्र लिखा था। इतना ही नहीं 1 दिसंबर को एमवायएच सहित अन्य संबद्ध अस्पतालों में बीवीजी की ड्रेस पहने कर्मचारियों को हटा दिया गया था। इसके बाद से विवाद जारी था। सोमवार सुबह सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (एसएसएच) में आउटसोर्स कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी, जिससे व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई।

समझाइश के बाद खत्म कर दी हड़ताल: वेतन न मिलने से नाराज बड़ी संख्या में आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों ने

सोमवार को सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल अचानक हड़ताल का रास्ता चुन लिया है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा गई हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले काफी समय से उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे कर्मचारियों का कहना है कि अब उनके पास काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। सफाईकर्मियों, वार्ड बॉय और अन्य सहायक कर्मचारियों के काम न करने से अस्पताल की सफाई व्यवस्था और मरीजों की देखभाल पर गहरा असर पड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से चर्चा की है। प्रबंधन का तर्क है कि तकनीकी गड़बड़ियों या बजट की उपलब्धता में देरी के कारण वेतन रुका है। उन्होंने जल्द ही भुगतान करने का भरोसा दिलाया है, तब कर्मचारी हड़ताल से लौटे।

बीवीजी के ड्रेस पहने तैनात हुए कर्मचारी

वहीं दूसरी तरफ अब तक बिना किसी कंपनी के यूनिफार्म पहने काम कर रहे आउटसोर्स के कर्मचारी बीवीजी की ड्रेस पहने एमजीएम मेडिकल कॉलेज सहित अन्य अस्पतालों में तैनात हो गए। बताया गया कि बीवीजी कंपनी को भोपाल स्थित मुख्यालय से आदेश मिल गया है। आदेश की कापी डीन तक भी पहुंच गई थी। इस कारण मजबूरी में प्रबंधन को बीवीजी को कार्य सौंपना पड़ा। कंपनी ने अपना समान आदि अस्पताल में रख दिया है। डीन और मुख्यालय का विरोध भी दागी कंपनी को नहीं रोक सका।

जनसमस्याओं को लेकर निगम कार्यालय को घेरा

सड़क व मेट्रो के काम लोग हैं परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन दिनो पूरे शहर में कहीं चले जाओ कोई न कोई निर्माण कार्य चल रहा है। सड़कों पर ट्रैफिक जाम और धूल के गुबार नजर आते हैं। लोगों को इससे छुटकार ही नहीं मिल रहा है। ऐसी ही समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को विजय नगर जोन कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान सड़क और मेट्रो का काम एक साथ चलने से परेशानी बढ़ गई है।

आरोप लगाया कि शहर में गंदा और ड्रेनेज का पानी लोगों के घरों में आ रहा है। पूरा शहर खोद दिया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगर निगम की अनदेखी के कारण बुनियादी सुविधाएं चरमरा गई हैं। शहर भर में अव्यवस्था का माहौल है। शहर में अलग-अलग प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन होने से शहर में ट्रैफिक के साथ अन्य समस्याएं भी बढ़ गई है। कई क्षेत्रों की सड़कें बदहाल है। लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे, विनय बाकलीवाल, राहुल सिंह, देवेंद्र सिंह यादव सहित काफी संख्या में कांग्रेसी विजय नगर जोन पहुंचे। उन्होंने वार्ड 30 और 37 की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। कांग्रेस का कहना है कि शहर के कई इलाकों में जनता को गंदा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

कांग्रेसी ही कोई ऐसी नई तकनीक बता दें- कांग्रेस के आरोपों पर मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि विजय नगर क्षेत्र में इस समय मास्टर प्लान सड़क और मेट्रो का काम एक साथ चल रहा है। इसी वजह से कहीं-कहीं गंदा पानी आ सकता है, लेकिन शिकायत मिलने पर उस पर तुरंत निदान किया जा रहा है। जहां से शिकायत मिली है, वहां पर काम भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना खुदाई के न तो निर्माण संभव है और न ही सीवरेज या पानी की लाइन डाली जा सकती है। कांग्रेस के पार्षद खुद आकर कहते हैं कि उनके क्षेत्र में स्ट्रॉन्ग वाटर लाइन और पानी की लाइन डलवा दी जाए। तब भी सड़क खोदनी ही पड़ती है। अगर कांग्रेस कोई ऐसी नई तकनीक बता दे, जिससे बिना खोदे डैमेज और पानी की लाइन डाली जा सके, तो हम वह भी कर लेंगे।

मास्टर प्लान सड़क के निर्माण कार्य में तेजी लाएं और वर्क प्लान बनाएं

एडवांस एकेडमी से रिंग रोड को जोड़ने वाले मार्ग को देखा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा सोमवार को जोन क्रमांक 22 वार्ड क्रमांक 36 के अंतर्गत मास्टर प्लान की सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने और इसका वर्क प्लान बनाने के निर्देश दिए।

महापौर भार्गव द्वारा जोन क्रमांक 22 वार्ड क्रमांक 36 अंतर्गत मास्टर प्लान की एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक राशि रुपए 46.68 करोड़ की लागत से 3.65 किमी लंबाई एवं 30 मीटर चौड़ाई की सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी एवं निर्माण कार्य धीमी गति होने पर महापौर

द्वारा संबंधित ठेकेदार एवं कंसल्टेंट को कार्य में तेजी लाने के साथ ही कार्य कितने दिन में पूर्ण होगा एवं क्या कार्य योजना है इस संबंध में वर्क प्लान बनाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान भार्गव द्वारा संबंधित अधिकारी से पूछा गया कि इस सड़क निर्माण में कोई भी बाधा नहीं है इसके बावजूद कार्य में क्यों देरी हो रही है, इसके साथ ही सेंट्रल लाइन डालने के बाद भी कार्य में क्यों गति नहीं आ रही है।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जब सेंट्रल लाइन डालने का कार्य किया जाता है तो उसी दौरान सेंट्रल लाइन में आने वाले बाधक निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई पहले पूर्ण की जाए, ताकि सड़क निर्माण में किसी प्रकार की कोई समस्या ना आए। इस दौरान महापौर भार्गव द्वारा तिरुपति पैलेस कॉलोनी, कृष्ण विहार कॉलोनी, तुलसी नगर, बीसीएम पैराडाइस आदि क्षेत्रों के रहवासियों से भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद सुरेश कुरवाडे, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर एवं अन्य उपस्थित थे।

छठ मिलन समारोह सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी इंदौर के तत्वधान में छठ मिलन समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें समाज के लोगों ने आगे बढ़ कर हिस्सा लिया,इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के पदाधिकारी एवं सदस्यगण द्वारा कड़ी मेहनत करी गई इस लिए सोसाइटी के उत्कृष्ट कार्य करने वाले उन सभी पदाधिकारी एवं सदस्य को इंदौर समाचार प्रेस क्लब पर सम्मान किया गया,जिसमें समाज छोटे बड़े सभी सदस्यों का सम्मान किया गया,वरिष्ठ पदाधिकारी नंदलाल सिंह,हरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष शैलेश सिंह ,मनोज शर्मा अजीत चौबे ,हेमचंद पोद्दार ,रामकिशोर पाल,का सम्मान करने हेतु मुख्य रूप से उपस्थित इंदौर समाचार प्रेस के प्रधान संपादक विवेक सेठ ,समाजसेवी राहुल निहोरे ,भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह , हेमंत सिकरवार ,जयप्रकाश चौबे ,धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं आदि उपस्थित हुए एवं सभी सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी .

महेंद्र शर्मा व चेतन रावत को स्मृति चिन्ह देकर किया स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सहकारी कार्य संस्था शिक्षा विभाग इंदौर मर्या. (शिक्षक पेढ़ी) में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष- 2025 के अंतर्गत, प्राप्त सम्मान के उपलक्ष्य में संचालक मंडल की बैठक में संस्था के उत्कृष्ट कार्य हेतु सभी संचालकगण ने संस्था अध्यक्ष- श्रीमान महेंद्र कुमार जी शर्मा एवं प्रबन्धक- चेतन रावत का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर सोभागसिंह ठाकुर, रमेशचंद्र नीनामा, भगवती प्रसाद पंडित, राजेंद्र मकवानी, आलोक परमार, मोहनदास बैरागी, सोहनलाल परमार उपस्थित रहे।

सोये हुए समाज को जागृत और चैतन्य बनाते हैं धर्मग्रंथ : पं. शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हृदय में पवित्र संकल्प आयेंगें तो विचारों का प्रवाह भी निर्मल हो जाएगा। भगवान की लीलाओं के दर्शन एवं श्रवण से मन के विकार दूर होते हैं और शरीर की इंन्द्रियों पर सात्विक प्रभाव होता है। धर्मग्रंथ सुषुप्त समाज को जागृत एवं चैतन्य बनाते हैं। मनुष्य का जीवन हमें केवल पशुओं की तरह व्यवहार करने के लिए नहीं, बल्कि सदभाव, परमार्थ और सेवा करूणा जैसे प्रकल्पों के लिए भी मिला है। भगवान अनुभूति का विषय है। आत्मा और परमात्मा का मिलन है कृष्ण-रूक्मणी विवाह। ये प्रेरक विचार हैं भागवत भूषण आचार्य पं. राजेश शास्त्री के, जो उन्होंने लोहारपट्टी स्थित श्रीजी कल्याण धाम, खाड़ी के मंदिर पर हंसदास मठ के पीठाधीश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सानिध्य में चल रहे भागवत ज्ञानयज्ञ में रुक्मणी विवाह प्रसंग की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए। कथा में रुक्मणी विवाह का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। जैसे ही कृष्ण और रुक्मणी बने पात्रों ने एकदूजे को वरमाला पहनाई, समूचा मंदिर परिसर भगवान के जयघोष से गूंज उठा।

राज्य स्तरीय इंस्पायर्ड अवार्ड मानक प्रदर्शनी का गुजराती स्कूल में हुआ शुभारम्भ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक -2025 राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ जॉइंट डायरेक्टर एजुकेशन लोक शिक्षण इंदौर श्रीमती अनीता चौहान की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर आर केट के प्रोफेसर डॉ राजीव खरे एवं डीएविवि की साइंस फैकल्टी की डीन डॉ सविता खरे उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में सहायक संचालक किरण बाला चौहान व उत्कृष्ट प्राचार्य पूजा सक्सेना उपस्थित थे। राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रचार - प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार ने बताया कि सोमवार को गुजराती स्कूल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय इंस्पायर मानक प्रदर्शनी का शुभारम्भ हुआ। जिसमें प्रदेश भर से लगभग 300 विद्यार्थियों ने विज्ञान के मानक मॉडलों का प्रदर्शन किया। प्रारम्भ में नोडल अधिकारी प्राचार्य आर के चेलानी ने स्वागत भाषण देते हुए राज्य स्तरीय इंस्पायर प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इंदौर की मेजबानी में इस राज्य स्तरीय इंस्पायर्ड अवार्ड के आयोजन में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश से लगभग 300 मॉडल में से नेशनल इंस्पायर्ड मानक के लिए विशेषज्ञ निर्णायकों द्वारा चयन किया जाएगा।

शिक्षक पेढ़ी संचालक मंडल की बैठक संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सहकारी कार्य संस्था शिक्षा विभाग इंदौर मर्या. (शिक्षक पेढ़ी) में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के अंतर्गत, प्राप्त सम्मान के उपलक्ष्य में 28 दिसंबर को संचालक मंडल की बैठक में संस्था के उत्कृष्ट कार्य हेतु सभी संचालकगण ने संस्था अध्यक्ष महेंद्र कुमार शर्मा एवं प्रबन्धक चेतन रावत का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर सोभागसिंह ठाकुर, रमेशचंद्र नीनामा, भगवती प्रसाद पंडित, राजेंद्र मकवानी, आलोक परमार, मोहनदास बैरागी, सोहनलाल परमार उपस्थित रहे।

नीमा विद्या निकेतन वार्षिक उत्सव ' संधान ' का आयोजन सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री नीमा विद्या निकेतन , इंदौर में वार्षिक उत्सव के अंतर्गत विज्ञान,कला,वाणिज्य प्रदर्शनी ' संधान ' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्रार चक्रपाणि मिश्र ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। बच्चों ने प्रदर्शनी में अत्यंत उपयोगी एवं अचंभित कर देने वाले मॉडल्स प्रस्तुत किए । AI से सम्बंधित मॉडल्स खूब सराहे गए। लगभग 700 बच्चों ने सहभागिता की। नेमा समाजजन एवं बच्चों के अभिभावकों ने प्रदर्शनी को जनोपयोगी एवं आवश्यक बताया। संस्था के अध्यक्ष जे. पी . नेमा , उपाध्यक्ष शम्भूकुमार नीमा , सचिव अनिल गुप्ता , सहसचिव पवन नीमा , कोषाध्यक्ष श्री अशोक नीमा एवं प्राचार्या श्रीमती शिल्पा चांडक ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

डी.एल.एड. एवं डी.पी.एस.ई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों से आवेदन आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश द्वारा डी.एल.एड. एवं डी.पी.एस.ई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों से सत्र 2026-2027 हेतु नवीन संबद्धता एवं संबद्धता नवीनीकरण के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल के संभागीय अधिकारी ने बताया कि डी.एल.एड. एवं डी.पी.एस.ई (पी.पी.टी.सी.) पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों के लिए सत्र 2026-2027 हेतु नवीन संबद्धता एवं संबद्धता नवीनीकरण के संबंध में माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आदेश/दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। जिसकी जानकारी एवं प्रारूप मण्डल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर उपलब्ध है। डी.एल.एड. एवं डी.पी.एस.ई (पी.पी.टी.सी.) पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों से अपेक्षा की गई है कि वे सत्र 2026-2027 हेतु नवीन संबद्धता एवं संबद्धता नवीनीकरण के लिये निर्धारित बिंदुओं की पूर्ति करते हुए आवेदन निर्धारित शुल्क सहित सचिव के नामे, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल परिसर में स्थित यूको बैंक, शाखा हबीबगंज में चालान (किसी अन्य बैंक के चालान मान्य योग्य नहीं) अथवा RTGS/NEFT (खाता क्रमांक 02830100006001, IFSC No. UCBA0000283) के माध्यम से जमा करें तथा जमा की गई राशि मण्डल के उक्त खाते में जमा होना सुनिश्चित करते हुये, शुल्क सहित आवेदन की प्रति 10 मार्च 2026 तक मण्डल कार्यालय में आवश्यक रुप से प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें। शुल्क मण्डल खाते में स्थानांतरित नहीं होने की स्थिति में सम्पूर्ण जवाबदारी संस्था की होगी

भगवान कृष्ण का नाम जपने से ही हृदय में प्रकट हो जाते है भगवान : पं. आनंद कृष्ण व्यास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भगवान कृष्ण का नाम जपने से ही व्यक्ति के हृदय में भगवान प्रकट हो जाते है,जहां विश्वास होता है वहां भगवान होते है,भगवान विश्वास से मिलते है,संसार में विश्वास बहुत जरूरी है,जीवन में धर्मात्मा वही होते है जिनके पास सत्य,दया, दान,और तप हो,धर्म के चार चरण सत्य, दया, दान,तप होते है,सनातन धर्म,संस्कृति,शास्त्रों को समझना जरूरी है,इसे हर व्यक्ति जरूर समझे,संसार में व्यक्ति अगर उच्च पर पद पर प्रतिष्ठित भी हो जाए तो कभी अभिमान नहीं करे, पुण्य कर्मों की फल की प्राप्ति जरूर होती है, सरलता और सहजता जीवन में बनी रहना चाहिए,उत्तम पुत्र वही है जो पिता के संकल्प को मानकर कार्य करे उसे ही उत्तम पुत्र होते है,जीवन में हर व्यक्ति अगर ठान ले तो मन को वश में कर सकता है,कुसंग से हटेंगे और सत्संग से जुड़ेंगे तो मन स्थिर होगा,हर व्यक्ति को अपना मन सही जगह लगाना चाहिए, मन को कंट्रोल करने के लिए संयमी बने,जीवन में अच्छी संगति करो, संग अच्छा रहेगा तो सही मार्ग पर चलेंगे,गलत संगति कभी नही करना चाहिए,जीवन में सेवा ही भक्ति है,जरूरतमंदों की सेवा जरूर करे,सेवा से कल्याण जरूर होता है।

क्षत्रिय धनगर समाज का द्वितीय भव्य वधु-वर परिचय सम्मेलन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाज में आपसी विश्वास, पारदर्शिता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से श्री क्षत्रिय धनगर सेवा संघ, इंदौर द्वारा आयोजित द्वितीय नि:शुल्क भव्य वधु-वर परिचय सम्मेलन 'रेशीम गाठी' रविवार को अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। महाराजा यशवंतराव स्कूल, नरेन्द्र तिवारी मार्ग, उषा नगर एक्सटेंशन में आयोजित इस सम्मेलन को समाज के हर वर्ग से व्यापक समर्थन मिला। इस भव्य परिचय सम्मेलन को समाज का एक सशक्त और संगठित प्रयास बताया गया, जिसमें कुल 500 प्रविष्टियाँ (एंट्रीज़) प्राप्त हुईं। बड़ी संख्या में समाज के परिवारों, अभिभावकों और युवक-युवतियों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 30 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आज खाटू श्याम मंदिर पर विशेष श्रृंगार, भजन संध्या भी

इंदौर ● नवलखा स्थित साजन नगर में भक्तों के सहयोग से नवनिर्मित खाटू श्याम एवं नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर अंग्रेजी वर्ष 2025 की अंतिम एकादशी के उपलक्ष्य में मंगलवार, 30 दिसम्बर को श्याम बाबा एवं भोलेनाथ का दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर के प्रमुख सुरेश रामपीपलिया एवं साजन नगर रहवासी संघ के अध्यक्ष सुजीत शर्मा ने बताया कि मंदिर पर दिनभर आने वाले भक्तों के लिए श्याम बाबा के मनोहारी भजनों की गंगा का प्रवाह चलेगा तथा संध्या को 7 बजे से भजन संध्या और रात 11 बजे आरती का आयोजन भी होगा। समाजसेवी राजेश बंसल, विष्णु बिंदल एवं अरविंद बागड़ी अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मंगलवार को आने वाली एकादशी को पुत्रदा एकादशी माना जाता है और श्याम बाबा के भक्तों में इस एकादशी का भी विशेष महत्व है।

अग्रसेन यूथ क्लब के निर्विरोध निर्वाचन में गुप्ता अध्यक्ष, गोयल सचिव

इंदौर ●अग्रवाल समाज की तरुणाई का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था अग्रसेन यूथ क्लब के वर्ष 2026 के लिए हुए निर्वाचन में प्रतीक गुप्ता अध्यक्ष एवं सौरभ गोयल बालाजी सचिव नियुक्त किए गए। नॉमिनेशन कमिटी के गोविंद सिंघल और बंटी गोयल के समन्वय से इस बार यूथ क्लब के सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुन लिए गए। चुनाव अधिकारी राजीव बांकडा द्वारा घोषित नतीजों के अनुसार मयूर अग्रवाल कोषाध्यक्ष, पुनीत गर्ग सह सचिव, हितेश गोयल उपाध्यक्ष तथा कार्यकारिणी के लिए अमन गोयल, रोहित अग्रवाल, पार्थ बागड़ी, ऋतिक बदरुका और जयेश जिंदल मनोनीत किए गए। निर्विरोध निर्वाचन पर अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय बांकड़ा, अतुल गर्ग, प्रयोग गर्ग एवं संदीप गोयल ने सभी नए पदाधिकारियों एवं निर्विरोध निर्वाचन का सार्थक समन्वय करने वाले गोविंद सिंघल एवं बंटी गोयल को बधाई देते हुए उनकी पहल का स्वागत किया है।

प्रदेश में 32 आईएएस-आईपीएस होंगे रिटायर, इनमें 2 कलेक्टर, 1 एसपी शामिल; मुख्य सचिव भी विस्तार नहीं मिलने पर होंगे रिटायर

भोपाल (एजेंसी) ● मुख्य सचिव अनुराग जैन को दोबारा विस्तार नहीं मिला तो वह सितंबर 2026 में रिटायर हो जाएंगे। कैलाश मकवाना दिसंबर में रिटायर होंगे। मप्र कैडर के 16 आईएएस और 16 आईपीएस अधिकारी अगले साल रिटायर होने वाले हैं। इनमें डीजीपी, स्पेशल डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल का विस्तार मिला है। अगर उन्हें दोबारा विस्तार नहीं मिलता है, तो वे 2026 में 30 सितंबर को रिटायर हो जाएंगे। वहीं, अगले साल शिवपुरी के कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, शहडोल के कलेक्टर केदार सिंह और चंबल संभाग के कमिश्नर सुरेश कुमार भी

अनुराग जैन

कैलाश मकवाना

रिटायर होंगे। इधर, 1996 बैच के आईएएस अधिकारी और खनिज साधन व पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव भी अगले साल अगस्त में रिटायर होंगे। उन्हें मुख्य सचिव का वेतनमान मिलेगा या नहीं, यह मौजूदा मुख्य सचिव के रिटायर होने और केंद्र में पदस्थ अधिकारियों की वापसी पर निर्भर करेगा। अगर केंद्र से अपर मुख्य सचिव स्तर का कोई अधिकारी लौटता है, तो उमराव को अपर मुख्य सचिव का वेतनमान अटक सकता है।

जो अफसर रिटायर होने वाले हैं, उनमें आईपीएस अफसरों में एडीजी इंटेलिजेंस, आईजी लॉ एंड ऑर्डर के पद सरकार में काफी अहमियत रखते हैं। ऐसे में सरकार को अगले साल इन दोनों पदों के लिए योग्य आईपीएस अफसरों की तलाश करनी होगी। इसी तरह माध्यमिक शिक्षा मंडल का पद भी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पद के लिए भी सीनियर आईएएस अधिकारी की पदस्थापना सरकार करेगी।

2025 में 29 आईएएस-आईपीएस रिटायर हुए

इस साल 2025 में कुल 29 आईएएस और आईपीएस अफसर रिटायर हो रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन समेत 20 आईएएस अफसर 2025 में रिटायर होने थे, जिसमें से मुख्य सचिव को एक्सटेंशन मिल गया। इसी तरह डीजीपी समेत 11 आईपीएस अफसर 2025 में रिटायर होने वाले थे, जिसमें से डीजीपी को सुप्रीम कोर्ट के डीजीपी के कार्यकाल दो साल होने के आदेश के आधार पर एक साल की सेवा वृद्धि मिल गई है। वहीं, स्पेशल डीजी पवन श्रीवास्तव इसी महीने रिटायर होने वाले हैं।

निगमायुक्त अहिरवार एवं एनजीओ के सक्रियता से जबलपुर ने रचा इतिहास

जबलपुर (एजेंसी) ●संस्कार का शहर जबलपुर कहे जाने वाले शहर में संवेदनाओं की सुनामी जैसा काम युगल जोड़ी ने किया है। शहर में संचालित सात आश्रय स्थल और एनजीओ की तीन टीम ने मिलकर एक महीने में सर्द रातों में सड़क पर सो रहे मजबूर, मजदूर, बेघर लोगों को वाहन से ना केवल आश्रय स्थल तक पहुंचाया गया बल्कि इन्हें दीन दयाल रसोई योजना का लाभ भी दिलाया गया।

जबलपुर नगर निगम सीमा में आश्रय स्थल(रेन बसेरा) बेघर, मुसाफिर और बेसहारा लोगों के लिए 7 अलग अलग स्थान पर वर्तमान में संचालित है।इसके

संचालन की जिम्मेदारी नगर निगम जबलपुर ने इंदौर के एक एनजीओ अभिनव अंजलि समाज सेवा समिति को दिया है। एनजीओ के पास संचालन के अलावा शीतकालीन सर्वे एवं सार्वजनिक स्थलों पर सो रहे मुसाफिरों, बेघरों को आश्रय स्थल पर पहुंचाने का कार्य भी है।विगत कुछ वर्षों से शिथिल पड़े इस शीत कालीन सर्वे को इंदौर के एनजीओ को सौंपने के बाद उनकी सक्रियता से सड़के खाली होने लगी है।अब लोग जागरूक भी हो गए है और स्वत: आश्रय स्थल पर पहुंचने लगे है।

एनजीओ के सुपरवाइजर हर्षित वाल्मीकि ने बताया कि नगर निगम के सहयोग से हमलोग देर रात तक सर्वे करते है और जो लोग सड़क, फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड अत्यादि जगहों पर सोए रहते है उन्हें निवेदन पूर्वक आश्रय स्थल तक लेकर आते है।कई बार फुटपाथ पर सो रहे लोगों के आक्रोश का सामना भी करना पड़ता है लेकिन फिर भी निरन्तर हमारी टीम मैदान में जुटी हुई है।पिछले एक महीने में साढ़े सात सौ लोगों को आश्रय स्थल पहुंचाया है।

स्वास्थ्य व्यवस्था की विडंबना: इलाज से पहले चूहों से लड़ाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन अपने संबद्ध अस्पतालों में बढ़ती चूहा समस्या से निपटने के लिए प्रतिमाह लाखों रुपये व्यय कर रहा है। मरीजों की सुरक्षा और अस्पतालों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। अगस्त माह में एमवाय अस्पताल में भर्ती कुछ मरीजों को कथित रूप से चूहों द्वारा काटे जाने की घटनाओं के बाद इस मुद्दे ने गंभीर रूप ले

लिया था, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और स्वच्छता पर सवाल खड़े हुए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने सभी संबद्ध अस्पतालों में चूहा नियंत्रण के लिए एक पेशेवर पेस्ट कंट्रोल एजेंसी नियुक्त की है। अधिकारियों के अनुसार, इस एजेंसी को अनुबंध के तहत लगभग 2.70 लाख रुपये प्रतिमाह का भुगतान किया जा रहा है। यह अभियान एमवाय अस्पताल, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, कैंसर अस्पताल, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, एमटीएच, आईएनएचएस सहित मेडिकल कॉलेज से संचालित अन्य संस्थानों में लागू किया गया है। प्रशासन ने निगरानी को और सशक्त बनाने के लिए एक आठ सदस्यीय पेस्ट कंट्रोल टीम तैनात की है, जो लगातार निरीक्षण कर रही है।

छतों से बिजली बनाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या एक वर्ष में दुगुनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मप्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। पश्चिम मप्र मे अब तक पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 30500 से ज्यादा स्थानों पर संयंत्र लगाकर बिजली उत्पादन किया जा रहा है। प्रतिदिन पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत इंदौर सहित मालवा निमाड़ के 15 जिलों में मंजूरी दी जा रही है। केंद्र शासन द्वारा 30000 से ज्यादा उपभोक्ताओं को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है। अब तक कुल 78 हजार रूपए प्रति उपभोक्ता अधिकतम सब्सिडी के हिसाब से 231 करोड़ रूपए की सब्सिडी डीबीटी से अंतरित की जा चुकी है। मालवा निमाड़ में छतों से बिजली तैयार करने वालों की संख्या एक वर्ष में 23000 से बढकर दिसंबर अंतिम सप्ताह तक 47000 हो गई है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में सबसे ज्यादा सोलर संयंत्र इंदौर महानगर में करीब पंद्रह हजार लगे हैं। पश्चिम मप्र में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना व अन्य सोलर संयंत्र मिलाकर कुल 47 हजार स्थानों पर सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इन रूफ टॉप सोलर नेट मीटर संयंत्रों की बिजली उत्पादन क्षमता अब 335 मैगावाट के पार हो चुकी है।

आरडीएसएस के कार्यों में गति लाई जाए

दो वृत्त में 12 ग्रिड, 800 ट्रांसफार्मर लग चुके अब तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम आरडीएसएस अंतर्गत शेष कार्यों में गति लाने के लिए इंदौर शहर, इंदौर ग्रामीण के अधिकारियों की शुक्रवार को मिटिंग ली। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण योजना बिजली कंपनी के अलावा उपभोक्ताओं के लिए भी काफी मददगार रहेगी। इस योजना अंतर्गत दोनों ही वृत्तों में बारह सब स्टेशनों का निर्माण किया जा चुका है, जबकि आठ सौ से ज्यादा ट्रांसफार्मर स्थापित हो चुके हैं, अंडर ग्राउंड केबल का कार्य भी सिरपुर, सुखलिया, मालवा मिल क्षेत्र में हुआ हैं। सिंह ने सभी अधिकारियों से गुणवत्ता एवं समय पालन को लेकर फोकस रखने को कहा। इस अवसर पर मुख्य अभियंता कार्य एसएल करवाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एससी वर्मा, संजय मालवीय, शहर अधीक्षण यंत्री दिलीप कुमार गाठे, इंदौर ग्रामीण अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने विचार रखें।

देपालपुर में आवारा कुत्तों ने किया बच्चे को घायल आठ दिन में तीसरी घटना जिम्मेदार बने अंजान

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

नगर में आवारा कुत्ते लगातार बच्चे और बुजुर्गों को निशाना बना रहे हैं। कल फिर वार्ड 2 और 15 के बीच में बच्चे को घायल कर दिया बच्चे ने जैसे तेसे कुत्ते से पीछा छुड़ाया और वह अपने घर पहुंच गया लेकिन उसके पैर में दो जगह कुत्तों ने काट लिया परिजनों से तत्काल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे और रेबीज के इंजेक्शन लगवाएं नगर में 8 दिन के अंदर यह तीसरी घटना है लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी का इस और ध्यान नहीं है। आवारा कुत्तों की टोली 15 से 20 होकर निकलती है उन्हें भागने की कोशिश करते हैं तो वह हमला कर देते हैं नगर में डर और भय का माहौल बना हुआ है। बुजुर्ग और बच्चे घर से निकलने में डर रहे हैं पहले भी आवारा कुत्तों को लेकर खबरें प्रकाशित हुई लेकिन कुंभकरण की नींद सोए जिम्मेदार अधिकारीयो ने अब तक ध्यान नहीं दिया सूत्र बताते हैं कोर्ट ने कुत्तों की नसबंदी करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन देपालपुर में या व्यवस्था नहीं है अब देपालपुर को इंदौर नगर निगम ने गोद लिया है तो उम्मीद है इंदौर नगर निगम इस विषय पर संज्ञान लेकर आवारा कुत्तों का कुछ हल निकाल सकता है। लेकिन वर्तमान में देखा जाए तो आवारा कुत्तों ने नगर में जबरदस्त आतंक मचा रखा है

पशु मुक्त देपालपुर में आवारा कुत्तों का आतंक
नगर में छोटे बच्चे और गाड़ियों के पीछे कुत्ते लगाते हैं दौड़

पार्षद अनिल धाकड़ ने बताया कि नगर में बड़ी तादाद में आवारा कुत्ते घूम रहे हैं इस विषय पर हम आज नगर परिषद में अपनी बात रखेंगे साथ ही जल्द जो घटनाएं हो रही है उसे रोकने के लिए नगर परिषद के माध्यम से प्रयास करवाएंगे
पार्षद रवि चौरसिया ने कहा कि कल की घटना मेरे संज्ञान में आई है मैं तत्काल नगर परिषद सीएमओ को अवगत कराया 8 दिन में यहां तीसरी घटना है जिसको लेकर आज हम नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी से बात करेंगे और जल्द से जल्द आवारा कुत्तों पर निराकरण हो इसका प्रयास करें।

जानकारी में पता चला है कि नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी आज देपालपुर में पहुंच रहे हैं हो सकता है आवारा कुत्तों को लेकर कुछ बड़ा निर्णय ले सकते हैं। नगर में प्रदेश का सबसे बड़ा पशुहाट बाजार लगता है बाहर से आने वाली गाड़ियों में आवारा कुत्तों को पशुहाट बाजार में छोड़ जाते जिसके कारण आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन नगर परिषद के कर्मचारियों को इस और ध्यान नहीं दिया। अब देखना होगा जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस मामले में क्या निर्णय लेते हैं।

ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के माध्यम से हर ग्राम पंचायत तक पहुंचेगी जनकल्याणकारी योजनाएं: मोहन नागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा इंदौर संभाग के समस्त जिला एवं विकासखंड समन्वयकों की संभागीय समीक्षा बैठक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर, इंदौर में आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर रहे। विशेष अतिथि के रूप में शासी निकाय सदस्य विनोद मोहने, प्रकाशन सलाहकार रोहन गिरी तथा निदेशक सेल वीरेन्द्र व्यास की उपस्थिति रही। बैठक का शुभारंभ सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संभागीय समन्वयक अमित शाह ने स्वागत भाषण देते हुए बैठक का विषय प्रवेश कराया। इसके पश्चात इंदौर संभाग के सभी आठ जिलों के जिला समन्वयकों एवं विकासखंड समन्वयकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में परिषद द्वारा किए गए कार्यों का पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण किया, जिसकी समीक्षा परिषद के उपाध्यक्ष एवं निदेशक सेल द्वारा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कहा कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्वैच्छिकता और स्वावलंबन के आधार पर प्रदेशभर में उल्लेखनीय जनकल्याणकारी कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि आगामी समय में 'ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान' के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक ग्राम पंचायत तक, जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में परिषद प्रदेश के लगभग 55 हजार ग्रामों में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का सशक्त नेटवर्क स्थापित करेगी, जो स्वैच्छिकता और स्वावलंबन के आधार पर समग्र ग्राम विकास के लिए कार्य करेंगी। नागर ने जानकारी दी कि नवांकुर संस्थाओं के माध्यम से प्रत्येक विकासखंड में चिन्हांकित आदर्श ग्रामों में संस्कार केंद्र, नर्सरी, पुस्तकालय, गौपालन जैसे गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

बंगाल में एसआईआर को लेकर बढ़ा विवाद, चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर उठे सवाल

एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिहार से शुरू हुई थी। तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। एसआईआर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से सवालों का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह देश के अन्य राज्यों में भी नए-नए रूप में सामने आ रहा है। कभी इस प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के दबाव का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी लाखों लोगों के मसविदा सूची से बाहर हो जाने को लेकर आशंकाओं का नगाड़ा पीटा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तो अब एक नई समस्या सामने आई है, जिसे चुनाव आयोग ने खुद स्वीकार करते हुए सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। आयोग का कहना है कि राज्य में वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है। इससे स्पष्ट है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया खामियों से रहित नहीं है। मगर, सवाल है कि इस तरह की व्यवस्थागत चूक से मतदाताओं को जो नाहक ही मानसिक और अन्य तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, उनकी भरपाई कैसे हो पाएगी? गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिहार से शुरू हुई थी। तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल कर दिया गया। इसके बावजूद बिहार में लाखों की संख्या में लोग मतदाता सूची से बाहर रह गए। यह सवाल अब दूसरे राज्यों में भी उठ रहा है, क्योंकि वहां भी बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से अंतिम सूची तैयार करने से पहले पात्र लोगों को अपना नाम जुड़वाने के लिए अवसर दिए जाएंगे, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार की तरह दूसरे राज्यों में भी लाखों लोग सूची से बाहर रह सकते हैं।

2025:शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए संकल्पित डा.मोहन यादव सरकार

वर्ष 2025 मध्य प्रदेश के लिए युवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्कूली शिक्षा से लेकर कला , विज्ञान, वाणिज्य, विधि,खेल आदि में उच्च, तकनीकी,कृषि, चिकित्सा, तथा प्रबंधन शिक्षा और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराएं है अपितु बहुआयामी सुधारों को प्राथमिकता भी दी है। इन प्रयासों ने मध्यप्रदेश में न केवल शैक्षणिक अधोसंरचना को सुदृढ़ किया है, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगारोन्मुख अवसरों का भी विस्तार किया है।

राज्य की आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए संयुक्त रूप से बजटीय आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इन दोनों क्षेत्रों का कुल बजट लगभग 55 हजार करोड़ रुपये तक पहुँच गया है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 11.5 प्रतिशत है। वित्त विभाग के अनुसार यह अनुपात राष्ट्रीय औसत की तुलना में अधिक है, जिससे मानव संसाधन विकास को राज्य की विकास नीति के केंद्र में रखने का संकेत मिलता है। माननीय मुख्यमंत्री जी की यह एक अच्छी पहल है।

स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्कूल चेतना योजना के अंतर्गत हजारों विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना की है तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा है अपितु डिजिटल शिक्षण सामग्री के एक्सेस के लिए कनेक्टिविटी और टैबलेट उपलब्ध कराए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बहुभाषी शिक्षण व्यवस्था को चरणबद्ध ढंग से लागू किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव छात्र सहभागिता और ड्रॉप-आउट दर में कमी के रूप में सामने आया है।यह उपलब्धि माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की उस सोच का परिणाम है जिसमें 'शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि संस्कार, कौशल और आत्मनिर्भरता का माध्यम माना गया है।'

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में न सिर्फ नए शासकीय विश्वविद्यालय, उपाधि महाविद्यालयों,शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई है, मौजूदा शिक्षण संस्थानों का उन्नयन किया गया है, अपितु नए रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम और इंट्रेनशिप प्रोग्राम जोड़े जाने पर बल दिया गया हैं। 2025 में मध्यप्रदेश में 300 से अधिक तकनीकी शिक्षा संस्थानों ने लगभग पचास हजार तकनीकी स्नातक तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, जबकि आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला तथा कार्यशाला युक्त आईटीआई और पोलिटेकनिक संस्थानों की हजारों कौशलयुक्त युवाओं को तैयार करने में अदा की गई भूमिका भी कोई कम नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच का ही परिणाम है कि सभी परंपरागत तथा आधुनिक तकनीक तथा गैर-तकनीकी शिक्षा के लिए समर्पित शिक्षण संस्थानों में कौशल विकास, शोध,नवाचार, पेटेंट ,स्टार्टअप पर विशेष बल दिया गया है। उद्देश्य स्पष्ट है 'राज्य में उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को कम किया जा सके'तथा अधिक से अधिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके, रोजगार देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया जा सके। ऐसा लगता है कि यह पहल राज्य को स्किल-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाने के लिए एक सहासिक एवं दूरदृष्टी भरा क़दम है। विज्ञान और अनुसंधान के काम में एमपीसीएसटी भी नवीन योजनाओं के साथ बखुबी अपनी भूमिका निभाने के लिए अग्रसर है। कोई गरीब और आरक्षित वर्ग के बालक, बालिकाएं पढ़ने से वंचित नहीं रह जाएं, इसके लिए विविध छात्रवृतियों के माध्यम सहायता पहुंचाई जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश ने महत्वपूर्ण स्थिर और संतुलित प्रगति के लिए क़दम उठाए हैं। राज्य में 2025 तक कुल 33 मेडिकल कॉलेज (सरकारी-19 एवं निजी-14) संचालित हैं।राज्य सरकार द्वारा कुछ और मेडिकल कॉलेजों को दी गई स्वीकृति, निर्माणाधीन संस्थानों की प्रगति तथा जिला स्तर पर स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण से भविष्य में चिकित्सा शिक्षा और सेवाओं दोनों के और अधिक विस्तार एवं बेहतर होने की संभावनाएँ बनी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात में क्रमिक सुधार होगा और ग्रामीण-अर्धशहरी क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री युवा केन्द्रित योजना सहित विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। आईटी, स्टार्ट-अप, खेल और सेवा क्षेत्र में रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिला है। राज्य में आयोजित निवेश और उद्योग सम्मेलनों से भी युवा रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब मध्यप्रदेश मजबूत 'पॉलसी स्ट्रक्चरड प्रौद्योगिकी संचालित विकास' के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध नज़र आता है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025, ड्रोन संवर्धन 2025, सेमीकंडक्टर नीति 2025आदि टेक आधारभूत के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहन और सहायता प्रदान कर रही है। इंदौर में विकसित हो रहा एलटीई माइंडट्री तकनीक परिसर के पूर्ण रूप से आकर लेने पर दस हजार से ज्यादा नोकरिया देने की संभावना है।

उद्योग एवं कौशल विकास विभाग के अनुसार इन पहलों का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और उद्यमशील बनाना भी है।विकसित मध्य प्रदेश ञ2047 की ओर वर्ष 2025-26 का बढ़ता राज्य बजट युवाओं, शिक्षा और कौशल को प्राथमिकता देने का स्पष्ट संकेत देता है।

उच्च शिक्षा के अंतर्गत आने वाली मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी हर वर्ष पाठ्यक्रम आधारित अच्छी पाठ्य-पुस्तकों को हिंदी में प्रकाशित कर युवाओं को हिंदी माध्यम में उच्च शिक्षा को प्राप्त करने तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता के अवसर प्रदान कर रही है।

दीर्घकालिक 'विकसित मध्य प्रदेश ञ2047' विजन के तहत राज्य सरकार शिक्षा-कौशल-रोजगार के समन्वय से विकास की स्थायी रूपरेखा तैयार करने में लगी हुई है । माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शब्दों में, 'युवाओं और शिक्षा में निवेश ही विकसित भारत की सबसे मजबूत आधारशिला है'।इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश ने निर्णायक कदम उठाए हैं, ऐसा कहा जा सकता है।

लेखक: **प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश,**
स्वतंत्र पत्रकार

आंचलिक

कपास खरीदी सीमा कम होने पर साढ़े 5 घंटे प्रदर्शन, किसान मंडी और सड़क पर बैठे

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • कपास खरीदी की सीमा बढ़ाने को लेकर दो बार हुआ किसानों का प्रदर्शन शाम को समाप्त हुआ। सोमवार को पहली बार किसान दो घंटे मंडी में और फिर दूसरी बार साढ़े तीन घंटे खरगोन-इंदौर रोड पर बैठकर प्रदर्शन किया। उन्हें समझाने पहुंचा प्रशासनिक अमला काफी देर बाद किसानों को मना सका। दिनभर की 550 वाहन में पहुंचे कपास की खरीदी के आश्वासन पर देर शाम किसानों का आंदोलन खत्म हुआ है। उसके बाद धीरे-धीरे ट्रैक्टर बावड़ी बस स्टैंड क्षेत्र से हटाए गए। मंडी में 8.30 बजे तक पुराने स्लॉट बुकिंग का कपास भारती कपास निगम के माध्यम से खरीदा गया। हालांकि अभी भी मंडी में 500 वाहन कपास है। उनकी खरीदी के संबंध में फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मंडी प्रशासन ने जिले में 30 दिसंबर से आगामी आदेश तक भारतीय कपास निगम की खरीदी नहीं करने संबंधी सूचना जारी की है। कपास मंडी में स्थानीय व्यापारियों के माध्यम से खरीदी जारी रहेगी। किसानों की मांग थी कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा प्रति एकड़ कपास खरीदी की सीमा बढ़े। किसान कपास की खरीदी 12 क्विंटल से घटाकर 5 क्विंटल 70 किलो करने के फैसले से नाराज थे। खरगोन-इंदौर रोड़ पर किसानों के बैठे होने की वजह से प्रशासन ने रूट को डायवर्ट किया।बावडी बस स्टैंड पर आंदोलन से ट्रैफिक औरंगपुरा होकर बड़वानी सेंधवा और नवग्रह मंदिर स्कूल तक इंदौर रोड के वाहन पहुंचे हैं।

खरीदी सीमा घटने पर किसानों की आपत्ति

हंगामे की जानकारी मिलने पर अपर कलेक्टर रेखा राठौर, उप संचालक कृषि एसएस राजपूत, सीसीआई खरीदी अधिकारी गणेश धसकट, मंडी सचिव शर्मिला निनामा और कोतवाली टीआई बीएल मंडलोई पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों को समझाने की कोशिश की। किसान प्रतिनिधि दिनेश यादव ने बताया कि पहले प्रति एकड़ 11 क्विंटल 80 किलो कपास की खरीद हो रही थी, लेकिन अचानक इसे घटाकर 5 क्विंटल कर दिया गया। उपज की खरीद गिरदावरी के रकबे के हिसाब से होनी चाहिए। उन्होंने सीसीआई की स्लॉट बुकिंग में आ रही तकनीकी दिक्कतों और उपज लौटाए जाने पर भी नाराजगी जताई।

7 लाख क्विंटल कपास की खरीदी

उप संचालक कृषि एसएस राजपूत ने बताया कि जिनिंग परिसर में सीसीआई का कपास बड़ी मात्रा में जमा है। अधिक माल होने के कारण उसकी प्रोसेसिंग नहीं हो पा रही, इसी वजह से यह स्थिति बनी है। अपर कलेक्टर रेखा राठौड़ ने बताया कि अब तक करीब 7 लाख क्विंटल कपास की खरीद हो चुकी है। दोपहर के समय उन्होंने किसानों से चर्चा कर उनकी बात सुनी और आश्वासन दिया कि जिन किसानों के स्लॉट बुक हैं, उनके अनुसार ही कपास की खरीद की जाएगी।

ओंकारेश्वर में प्रोटोकॉल दर्शन बंद, अब लगेंगे 300 रुपए

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • न्यू ईयर की छुट्टियों के चलते तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी हैं और इंदौर मार्ग के मोरटक्का पुल तक वाहनों की कतारों से बार-बार जाम लग रहा है। भारी भीड़ को देखते हुए खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने फैसला लिया है कि अगले एक हफ्ते तक प्रोटोकॉल दर्शन व्यवस्था बंद रहेगी। अब प्रोटोकॉल वालों को भी 300 रुपए का चार्ज देना होगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जो लोग प्रोटोकॉल के तहत दर्शन के लिए आते हैं, उन्हें भी अब 300 रुपए प्रति श्रद्धालु चुकाने होंगे। वे शुल्क देकर ही वीआईपी दर्शन कर पाएंगे। प्रोटोकॉल व्यवस्था को 5 जनवरी के बाद श्रद्धालुओं की संख्या का रिव्यू करने के बाद ही बहाल किया जाएगा।

ट्रस्टी ने लापरवाह कर्मचारियों को हटाया

इधर, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के नए प्रबंधक ट्रस्टी राव पुष्पेंद्र सिंह ने व्यवस्थाओं में बदलाव शुरू कर दिया है। वे कार्य में लापरवाही बरतने वाले कई कर्मचारियों को हटा चुके हैं। भीड़ बढ़ने से वीआईपी दर्शन के नाम पर ठगी करने वाले सक्रिय हो गए हैं, जिन्हें ट्रस्टी खुद पकड़ रहे हैं।

डिप्टी कलेक्टर के नाम की पर्ची मिली

इसी दौरान ट्रस्टी को एक बाहरी श्रद्धालु के पास पर्ची मिली, जिस पर डिप्टी कलेक्टर मुकेश काशिव का नाम लिखा था। राव पुष्पेंद्र सिंह ने पूछताछ की तो श्रद्धालु ने बताया कि वह ग्रैंड ओंकारा होटल में रुका था। होटल संचालक ने ही उन्हें यह पर्ची दी थी और कहा था कि मंदिर में प्रोटोकॉल के तहत दर्शन हो जाएंगे। साथ ही होटल से एक पुलिसकर्मी भी उनके साथ मंदिर तक जाएगा। यह सुनकर राव पुष्पेंद्र सिंह हैरान रह गए।

होटल वालों से सांठगांठ का आरोप

मंदिर में दर्शन व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन ने जिस डिप्टी कलेक्टर को यहां का प्रभारी बनाया है, वे होटल वालों से सांठगांठ कर रहे है। मैंने पता किया तो जानकारी मिली कि होटल वाले अपने ग्राहकों से प्रोटोकॉल के नाम पर मोटी राशि वसूल करते है। वहां से एक पर्ची बनाकर उन्हें देते है और बकायदा पुलिसकर्मी के साथ मंदिर भिजवाते है। पर्ची पर मुकेश काशिव डिप्टी कलेक्टर लिखा रहता है, जिसके चलते उन श्रद्धालुओं को मंदिर का कोई कर्मचारी नहीं रोक पाता हैं।

यातायात व्यवस्था को सुधारने की कवायद, जल्द शुरू होगा निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • शहर की सड़कों पर बढ़ते वाहनों के दबाव और प्रभावित होती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए नपा द्वारा डिवाइडर निर्माण की योजना तैयार की है। जिसके तहत शहर के श्रीकृष्ण टॉकीज चौराहे से बिस्टान रोड तक और नपा कार्यालय और टीआईटी कॉम्प्लेक्स के सामने में भी डिवाइडर निर्माण किया जाएगा। वर्तमान में शहर के इन दोनों प्रमुख मार्गों पर वाहनों का अधिक दबाव रहता है। इस समस्या निराकरण के लिए नपा और यातायात अमले ने संबंधित दोनों मार्ग पर डिवाइडर निर्माण की रूपरेखा तैयार की है। सबकुछ ठीक रहा तो आगामी नए साल में इन दोनों सड़कों पर डिवाइडर निर्माण किया जाएगा।

कपास बेचने वाले किसानों के लिए जल्द खुलेंगे नए स्लॉट

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खरगोन मंडी में कपास बेचने वाले किसानों के लिए जल्द ही नए स्लॉट खोले जाएंगे। भारतीय कपास निगम (सीसीआई) का सर्वर शनिवार दोपहर 3 बजे हैक हो गया था, जिससे 12 से 22 जनवरी के बीच ऑनलाइन स्लॉट बुक नहीं किए जा सके। इससे कई किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंडी प्रशासन और सीसीआई ने किसानों की समस्या को देखते हुए आश्वासन दिया है कि आगामी स्लॉट जल्द ही खोले जाएंगे। खरगोन मंडी समिति के अनुसार पहले दिन कुछ किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग सफल रही थी, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण शेष किसानों के स्लॉट बुक नहीं हो सके।

खंडवा-इंदौर हाईवे पर भारी वाहन प्रतिबंधित:ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की तादाद बढ़ने पर फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन और नर्मदा नदी में स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए, कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने 5 जनवरी तक खंडवा-इंदौर मार्ग पर भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक रहेगा। कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गई है। बुरहानपुर की ओर से आने वाले भारी वाहन खंडवा जिले के ग्राम देशगांव में प्रवेश कर खरगोन, धामनोद होते हुए एबी रोड़ तक पहुंचेंगे। इंदौर से चलने वाले भारी वाहन खरगोन जिले से होते हुए खंडवा जिले के ग्राम देशगांव में प्रवेश कर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। इन दिनों क्रिसमस को लेकर छुट्टियों के चलते तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की तादाद बढ़ रही है। तीन दिन से लगातार जाम के हालात बन रहे हैं। यहां तक कि शुक्रवार के दिन रात में इंदौर रोड़ पर भेरूघाट पर 10 घंटे तक जाम लग रहा है। जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ गया। जाम के पीछे प्रमुख वजह निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग पर भारी वाहन और खासकर कंस्ट्रक्शन कंपनी के वाहन हैं।

सांसद-विधायक ने कोहदड़-डोंगरगांव में ब्रिज बनाने की मांग, खंडवा में स्टॉपेज बहाल करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • पंधाना विधानसभा क्षेत्र के बगमार, कोहदड़ और डोंगरगांव रेलवे स्टेशनों पर बंद पड़े यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज तथा कोहदड़-डोंगरगांव के बीच पुरानी पुलिया की समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों ने रेलवे प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक छाया मोरे ने सोमवार को भुसावल में हुई मध्य रेल भुसावल मंडल की मीटिंग में मंडल रेल प्रबंधक के सामने मांगें रखी। उन्होंने कोहदड़ स्टेशन और डोंगरगांव के बीच स्थित पुरानी पुलिया पर ओवरब्रिज या अंडरब्रिज निर्माण की आवश्यकता बताई। सांसद ने कहा कि यह मार्ग करीब 30 गांवों के लोगों के लिए मुख्य आवागमन मार्ग है, जिससे स्कूली बच्चे, किसान, ग्रामीण और यात्री प्रतिदिन गुजरते हैं।

बारिश में बन जाता है जानलेवा रास्ता

बताया कि बारिश के मौसम में पुलिया पूरी तरह भर जाती है, जिससे रास्ता बंद हो जाता है। ऐसे में ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को जोखिम उठाकर पुलिया पार करनी पड़ती है। कई बार रेल विभाग द्वारा सुरक्षा कारणों से खुदाई कर मार्ग बंद कर दिया जाता है,

जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है।

30 गांवों की आवाजाही प्रभावित

इस मार्ग से कोहदड़, छनेरा, बिहार, इटवा, भीलखेड़ी, पाडल्या, गांधवा, डोंगरगांव, बोरगांव, लहोरिया, जगतपुरा, रामपुरी कालापाट, चारखेड़ा, कुमठा, बोरखेड़ा, सराय, ऐड़ा, अडेला, खिड़गांव सहित अन्य गांवों के लोग खंडवा और बोरगांव की ओर आवागमन करते हैं। सांसद और विधायक ने मांग की कि यदि ओवरब्रिज संभव न हो तो सुव्यवस्थित अंडरब्रिज और जल निकासी व्यवस्था के साथ निर्माण किया जाए। इधर, पंधाना विधायक छाया मोरे ने भी भुसावल रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक से कहा कि, बगमार, कोहदड़ और डोंगरगांव रेलवे स्टेशनों पर कोरोना काल में बंद किए गए सामान्य यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज पुन: शुरू करने की मांग की है। विधायक ने बताया कि इन स्टेशनों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, छात्र, किसान, श्रमिक और व्यापारी प्रतिदिन यात्रा करते हैं।

श्रीलंका का क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी) ●श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को होने वाले आखिरी और पांचवें टी-20 मुकाबले में भारतीय महिला टीम क्लीन स्वीप करके साल का सफल समापन करने उतरेगी। वहीं श्रीलंका के पास इस मैच में जीत दर्ज आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर होगा। भारत इस पूरी सीरीज में क्लिनिकल रहा है। उन्हें किस्मत का भी साथ मिला, क्योंकि उन्होंने पहले तीन टॉस जीते। भारत ने तीनों मैचों में श्रीलंका को 130 से कम के स्कोर पर रोकते हुए और कम से कम पांच ओवर और सात विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल करते हुए अपना दबदबा बनाया। श्रीलंका को मंगलवार को होने वाले इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की चुनौती को पार करना होगा। इस भारतीय जोड़ी ने किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी की और मेजबानों का सर्वोच्च टी-20 स्कोर खड़ा किया। भारत को इस सीरीज में अब तक केवल पांच बल्लेबाजो का ही इस्तेमाल करना पड़ा है। चाहे वे लक्ष्य तय करें या उसका पीछा करें,

श्रीलंका रविवार को हसिनी परेरा की शुरुआत से प्रेरणा लेगा, जिसमें उन्होंने शुरुआती ओवरों में रेणुका ड्क्षसह और अरुंधति रेड्डी पर आक्रामक प्रहार किया। इससे पहले कि नीलाक्षी डी सिल्वा ने लोअर ऑर्डर में आख़रिकार कुछ रन जोड़े। श्रीलंका चाहेगा कि भारतीय क्षेत्ररक्षकों से मिलने वाले किसी भी जीवनदान का फायदा उठाया जाए, क्योंकि इस सीरीज में भारतीय क्षेत्ररक्षक मामले में कमजोर दिखे है। पहले मैच में उन्होंने पांच कैच छोड़े और चौथे मैच में दो जो दोनों टीमों के बीच के फासले को कम करने में मेहमानों की मदद कर सकता है। श्रीलंका बल्लेबाजी में ओपड्क्षनग में कप्तान चामरी अटापट्टू और हसीना पेरेरा से बड़ी साझेदारी की उम्मीद करेगा। रविवार को हुए मुकाबले में इस जोड़ी ने अच्छी साझेदारी कर टीम को जीत की उम्मीद जगाई थी, लेकिन बाद के बल्लेबाज उसे भुना नहीं सके। इस सीरीज में शेफाली वर्मा ने 185.82 की स्ट्राइक रेट से 236 रन बनाए हैं। उनके बाद सीरीज में सबसे अच्छी स्ट्राइक रेट (न्यूनतम 50 रन) जेमिमाह रॉड्रिग्स की 140.54 है। शेफाली ने शुरुआत में श्रीलंका द्वारा अजमाए गए हर संभव गेंदबाजी मिश्रण को तहस-नहस किया है। मंगलवार को होने वाले मैच में उनसे एक और शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

धुरंधर ने हिंदी फिल्मों को नई राह दिखाई: अनुपम खेर

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म धुरंधर को प्रोपेगेंडा बताने को लेकर एक्टर अनुपम खेर का कहना है कि ये फिल्म उन सभी के मुंह पर तमाचा है, जिन्होंने फिल्म को प्रोपेगेंडा साबित करने की कोशिश की थी। धुरंधर का क्रेज फैंस से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। जो भी फिल्म को देख रहा है, वो तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहा है। अनुपम खेर ने फिल्म धुरंधर की सफलता और फिल्म पर प्रोपेगेंडा का तमगा लगा देने वाले लोगों के बारे में खुलकर बात की है। एक्टर इस फिल्म का हिस्सा नहीं है, लेकिन फिर भी वे फिल्म की अपार सफलता से बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि फिल्म ने हिंदी सिनेमा में बनने वाली फिल्मों को नई राह दिखाई है। उन्होंने एक वीडियो में कहा, मेरा फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिल्म इतनी सफलता पा रही है कि देश-विदेश से लोग मुझे फोन करके धुरंधर के बारे में पूछ रहे हैं। एक एक्टर होने के नाते मेरे लिए

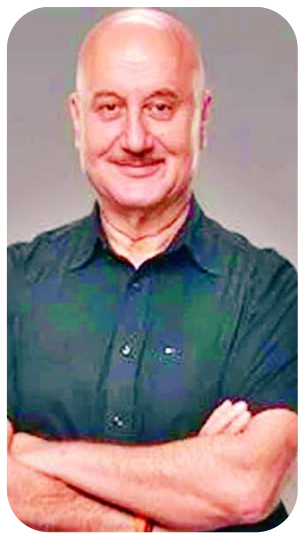

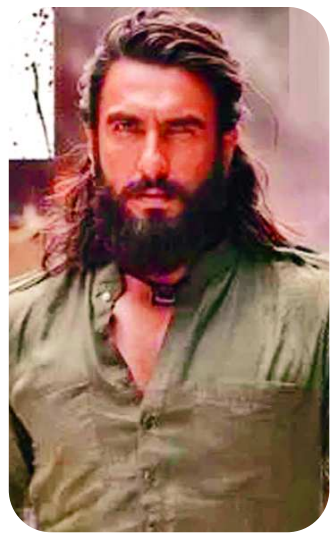

ये खुशी की बात है, लेकिन मुझे इस चीज की भी खुशी है कि फिल्म को कुछ लोगों ने प्रोपेगेंडा फिल्म साबित करने की कोशिश की, लेकिन वे कामयाब नहीं रहे। एक्टर का मानना है कि धुरंधर की वजह से उनके अंदर पूरे जोश से काम करने की नई ऊर्जा जागी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय शतरंज खिलाड़ियों को दी बधाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोहा में आयोजित एफआईडीई विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप-2025 में अर्जुन एरिगैसी और कोनेरू हम्पी को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी की ओपन वर्ग और कोनेरू हम्पी की ओपन वर्ग में विजय और उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणादयक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समस्त राष्ट्रवासियों को भारतीय खिलाड़ियों पर गर्व है। उल्लेखनीय है कि कतर के दोहा शहर में 26 से 30 दिसम्बर तक आयोजित हो रही विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप-2025 में भारतीय खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी तीसरा स्थान और महिला वर्ग में कोनेरू हम्पी ने भी तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया।

विजेता खिलाड़ी महिला सशक्तिकरण का प्रतीक : राज्यपाल पटेल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि ब्लाइंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप - 2025 की विजेता टीम की बेटियां महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। कार्यक्रम में विजेता होना दिव्यांगजनों के हौसलें और दिव्यता का उत्कृष्ट उदाहरण है। बेटियों की उपलब्धि प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणा और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग महिला खिलाड़ियों ने मध्यप्रदेश और देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया है। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को राष्ट्रीय ब्लाइंड महिला टी-20 टीम की प्रदेश की खिलाड़ी सुश्री सुषमा पटेल, सुनीता सराठे और सुश्री दुर्गा येवले से लोकभवन में चर्चा कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने तीनों खिलाड़ियों का शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने खिलाड़ियों और उनके कोच का भी उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने उन्हें बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

विजय हजारे ट्रॉफी : गोवा के खिलाफ मैच में खेलते नजर आयेंगे यशस्वी

नई दिल्ली (एजेंसी) ● यशस्वी जायसवाल अब विजय हजारे ट्रॉफी में बल्लेबाजी करते दिखेंगे। यशस्वी शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम की ओर से 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच में खेलते हुए नजर आयेंगे। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी के अनुसार यशस्वी पेट की तखलीफ के कारण शुरुआती दो मैचों से बार रहे थे। यशस्वी

को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग मैच के बाद पेट में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके कारण उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया था। प्राप्त जानकारी के वह 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच खेलेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा शुरुआती दो मुकाबलों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर नजर आए थे। वहीं अब यशस्वी उनकी जगह पारी की शुरुआत करेंगे। वह अन्य मैच भी खेल सकते हैं।

'बॉर्डर 2' के गाने 'घर कब आओगे' का टीजर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'बॉर्डर 2' के निर्माताओं ने गाना 'घर कब आओगे' का टीज़र रिलीज कर दिया है। यह गीत सोनू निगम, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और दिलजीत दोसांझ को हाल के समय के सबसे महत्वपूर्ण संगीतात्मक सहयोगों में से एक में एक साथ लाता है। अनु मलिक द्वारा संगीतबद्ध इस गीत को मिथून ने नए रूप में प्रस्तुत किया है, और मनोज मुंतशिर शुक्ला द्वारा जोड़े गए अतिरिक्त नए बोल, जो जावेद अख्तर के मूल गीत की विरासत को आगे बढ़ाते हैं।पूरा गीत दो जनवरी 2026 को राजस्थान के जैसलमेर में लोंगेवाला - तनोट में आयोजित एक भव्य लॉन्च इवेंट में जारी किया जाएगा। फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम

बाजवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही फिल्म बॉर्डर 2 का निर्माण भूषण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता कर रहे हैं। यह फिल्म टी-सीरीज और जेपी फिल्म्स के बैनर तले बनायी जा रही है और गुलशन कुमार एवं टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत की जा रही है। सह-निर्माता कृष्ण कुमार हैं। फिल्म बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

उज्जैन संभाग

उज्जैन में बनेगा अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम 129 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया - सीएम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को उज्जैन पहुंचे। सीएम ने नानाखेड़ा ग्राउंड में बने सभा स्थल से सिंहस्थ 2028 के लिए 129 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले अलग-अलग

विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस मौके पर पोर्टल का अनावरण भी किया। साथ ही कौशल सेतु इंडस्ट्री लीड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम और प्रोजेक्ट स्वाध्याय (कोडिंग फॉर ऑल) की भी शुरुआत की। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री नानाखेड़ा स्टेडियम पहुंचे। कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, बाल योगी उमेशनाथ, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक सतीश मालवीय,जितेंद्र पंड्या सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। जिन विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया, वे सभी कार्य नगर निगम उज्जैन के माध्यम से शहर में कराए जाएंगे। सीएम ने राजमाता स्टेडियम में हॉकी का अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े आयोजन के लिए सभी प्रबंधन किए जा रहे हैं। यहां 24 घंटे में 5 करोड़ लोग स्नान कर सकेंगे।

चक्रतीर्थ में 1 करोड़ से ज्यादा के काम, 3 पीएनजी शवदाह, 80 मीटर का डोम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शहर के चक्रतीर्थ मुक्तिधाम पर न सिर्फ उज्जैन, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी अंतिम संस्कार के लिए लोग पहुंचते हैं। यहां शेड टूटा हुआ था। शव दाह के ओटले जर्जर थे। बैठक की सही व्यवस्था भी नहीं थी। इलेक्ट्रिक शवदाह भट्टियां दो साल से खराब थीं। नगर निगम इसे आदर्श मुक्तिधाम के रूप में विकसित कर रहा है। डेढ़ साल में चक्रतीर्थ पर अब तक करीब एक करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं। मुक्तिधाम परिसर में 76 लाख से 80 मीटर लंबा स्पेशल डोम टेंसाइल फैब्रिक शेड लगवाया है। 25 लाख रुपए खर्च कर पुराने पतरे के शेड हटाकर नए शेड लगाए गए। बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां और बेंच, पूरे परिसर में रंगाई-पुताई, टॉयलेट निर्माण, ओटलों का निर्माण, उनकी रंगाई-पुताई और मार्किंग जैसे कई जरूरी कार्य कराए गए हैं।

60 फीट ऊंचा सुदर्शन चक्र स्टैच्यू

चक्रतीर्थ मुक्तिधाम में अब देश का पहला 60 फीट ऊंचा सुदर्शन चक्र स्टैच्यू स्थापित करने की तैयारी है। महापौर मुकेश टटवाल ने बताया इसके लिए 80 लाख रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। ड्राइंग-डिजाइन तैयार है और जल्द ही कार्य शुरू होगा। यह स्टैच्यू शिप्रा नदी के बड़े पुल, दत्त अखाड़ा, कार्तिक मेला प्रांगण और बड़नगर

रोड से भी नजर आएगा।

ये प्रमुख बदलाव : परिसर की रंगाई-पुताई व सौंदर्यीकरण किया। ? पर्यावरण हितैषी चार नए पीएनजी गैस आधारित शवदाह शुरू किए हैं। इनकी सेवा निगम द्वारा मात्र 1 रुपए में दी जा रही है। ? टेंसाइल शेड लगाया, ताकि बारिश-धूप में परिजन सुरक्षित बैठ सकें। करीब 50 बेंच लगाई, शोकसभा हॉल का नवीनीकरण किया। ? 18 शवदाह ओटलों का सुधार कर यहां नए शेड लगाए। अतिरिक्त सुलभ गृह भी बनाते हुए सफाई व्यवस्था पर सख्ती कर दी गई।

शासकीय मंदिरों के पुजारियों के लिए कार्यशाला आयोजित, विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य विभाग ने कालिदास संस्कृत अकादमी के सहयोग से रविवार को संभाग स्तरीय पुजारी उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। इस एक दिवसीय कार्यशाला में संभाग के सात जिलों से ढाई सौ से अधिक शासकीय मंदिरों के पुजारी शामिल हुए। तीन सत्रों में विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी और पुजारियों से सीधा संवाद किया गया। कालिदास संस्कृत अकादमी के पं. सूर्यनारायण व्यास सांस्कृतिक संकुल में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य विभाग के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेश नाथ महाराज, पूर्व कुलपति प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, धर्म सभा विद्वत संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद मूर्ति पं. धनंजय शास्त्री, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप कुमार शर्मा और अकादमी निदेशक डॉ. गोविंद दत्तात्रेय गंधे भी उपस्थित थे।

शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि समाज में गुरु और पुजारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि जब समाज को दिशा दिखाने या सनातन धर्म की बात आती है, तो पुजारियों की विचारधारा निर्णायक होती है। जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ने अपने संबोधन में कहा कि देवालयों के केंद्र बिंदु मंदिर और पुजारी होते हैं। उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा, 'आचार्यो देवो भवों,' जिसका अर्थ है कि हमने आचार्यों को गुरु और देवता माना है। उन्होंने यह भी कहा कि संतों और पुजारियों से समाज को सही दिशा मिलती है।

सरकार की पहल का उलटा असर, शिवराज सरकार ने 2016 में की घोषणा, 2021-22 में अमल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● अवैध कॉलोनियों को वैध करने का शिवराज सरकार की पहल का शहर में उलटा असर पड़ा। सरकार की घोषणा के तहत 2020 तक ?की चिह्नित 43 अवैध कॉलोनियों को 2021-2022 में वैध कर दिया गया। इस प्रक्रिया के बाद शहर व समीप के ग्रामीण सर्वे नंबरों में 4 गुना ज्यादा स्पीड से अवैध कॉलोनी कट गई। पिछले 4 सालों में इस तरह की 141 नई अवैध कॉलोनियां खड़ी हो गई। पिछले 4 सालों में शहर में इतनी तेजी से बढ़ी अवैध कॉलोनियों का आंकड़ा देख अफसर भी पसोपेश में पड़ गए, क्योंकि सभी कॉलोनियों को वैध करते हुए उन्हें एक जैसी ?सुविधा मुहैया का नगर निगम की मंशा पर अवैध कॉलोनाजरों ने पानी फेर दिया। पिछले दो साल की ही बात करें तो इस समय में ही 20 से ज्यादा अवैध कॉलोनियां कटी है। खास बात यह है कि खुलेआम अवैध कॉलोनियां काटने वालों पर अफसर रोक लगाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रहे हैं। राजनीतिक उलझन में पड़े, इसलि?ए निगम के अफसरों ने भी अवैध कॉलोनियों की फाइल ही अलग रख दी।

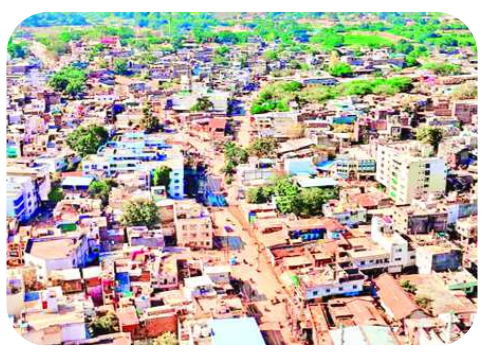

प्रतिबंधित क्षेत्र में काट दी कॉलोनी

स्थाई निर्माण प्रतिबंधित रहने के बावजूद सिंहस्थ मेला क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर अवैध कॉलोनी बसा दी गई। साडू माता के सामने भदेड़ मय चक तहसील घट्टिया सर्वे 91/2 में अवैध कॉलोनी काट दी गई। सर्वे क्र. 128/2 के 0.200 हेक्टेयर में उज्जवलनगर के नाम से कॉलोनी काट दी। इनके अलावा 139 अवैध कॉलोनी की सूची है।

कैंटीन संचालक ने प्रशासन पर लगाए मनमानी-तोड़फोड़ के आरोप, कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ●कैंटीन संचालक विपिन चौहान ने प्रशासनिक अधिकारियों पर मनमानी और तोड़फोड़ करने के आरोप लगाए हैं। कैंटीन संचालक विपिन चौहान ने प्रशासनिक अधिकारियों पर मनमानी और तोड़फोड़ करने के आरोप लगाए हैं। आगर मालवा जिला अस्पताल परिसर के कैंटीन संचालक विपिन चौहान ने प्रशासनिक अधिकारियों पर मनमानी और तोड़फोड़ करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया है।

टेंडर खत्म होने के बाद भी संचालन का दावा- विपिन चौहान का कहना है कि उनकी कैंटीन का टेंडर करीब सात महीने पहले समाप्त हो चुका था। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों ने वैकल्पिक व्यवस्था होने तक उन्हें

कैंटीन संचालन जारी रखने को कहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिविल सर्जन के पास जमा उनकी धरोहर राशि अब तक वापस नहीं की गई है।

अवकाश के दिन नोटिस और कार्रवाई का आरोप- कैंटीन संचालक के अनुसार, उन्हें तहसीलदार कार्यालय से शासकीय अवकाश के दिन नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने तय समय सीमा में उसका जवाब भी दे दिया, इसके बावजूद तहसीलदार पुलिस बल और जेसीबी मशीन के साथ कैंटीन परिसर पहुंचे और कार्रवाई की।

तोड़फोड़ और सामान जब्त करने का आरोप- विपिन चौहान ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों को धमकाया गया और कैंटीन में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया गया। साथ ही कैंटीन का सारा सामान जब्त कर लिया गया। उनका कहना है कि उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि कितना सामान जब्त किया गया है और उसे कहां रखा गया है। कैंटीन संचालक का कहना है कि इस कार्रवाई से उन्हें दो लाख रुपए से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है।

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग

- सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर विपिन चौहान ने आवेदन दिया और कहा कि बिना उचित लिखित सूचना और नियमों का पालन किए की गई यह कार्रवाई गलत है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

बिना वजन के वाजिब भुगतान भी आपत्ति में और करोड़ों के फर्जी बिलों का ट्रेज़री से भुगतान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एक तरफ इंदौर के जिला और संभागीय कोषालय के कर्मचारी बिना सेटिंग वाले छोटे छोटे और वाजिब बिलों पर बार बार आपत्ति लगाकर अपने पापको शासन के प्रति जवाबदारी महसूस कराने से नहीं चूकते है, वहीं करोड़ों के फर्जी बिलों का भुगतान इन्हीं कोषालय के कार्यालयों में बड़ी आसानी से हो जाता है।

गौरतलब है किसी भी शासकीय विभाग में कर्मचारियों से संबंधित स्वतत्वों का भुगतान कोषालय के माध्यम से होता है। गत दिवस शिक्षा विभाग के विकासखंड अधिकारी कार्यालय से अनेकों भुगतान फर्जी हो गए। यह भुगतान कैसे हुआ और किस लॉगिन से हुआ और किन खातों में यह फर्जी पैसा जारी हुआ, इसकी जांच संयुक्त संचालक वित्त कर रहे है। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या भोपाल से आई जांच के दायरे में कोषालय को लिया जाएगा?

जाहिर सी बात है इन करोड़ों के फर्जी बिलों को लेकर लिफाफा का सिस्टम बना रहता है, जिसके चलते यह बिल बिना किसी आपत्ति के भुगतान कर दिए जाते है।

ऐसी निर्धारित है प्रक्रिया -शिक्षा विभाग के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिक्षकों के प्रमुख रूप से जीपीएफ निकासी, अर्जित अवकाश और अन्य एरियर का भुगतान प्रमुख रहता है। अगर शिक्षकों के स्वस्त्व की प्रक्रिया को समझे तो जिस स्कूल में शिक्षक कार्यरत है वहां का लिपिक बिल को तैयार कर संकुल प्राचार्य से हस्ताक्षर करवाकर विकासखंड कार्यालय में प्रस्तुत करता है। यहां पर कार्यालय का लिपिक इस बिल को चेक कर अपनी आईडी से बिल जनरेट करता है। इसके पश्चात अधिकारी के लॉगिन से इन बिलों को स्वीकृत कर कोषालय की ओर भुगतान के लिए भेज दिया जाता है। गौरतलब है कि अधिकारी की लॉगिन पर यहां का कंप्यूटर ऑपरेटर या कोई लिपिक ही कार्य करता है। (इस तरह संभव है कि कई बार बिना अधिकारी की जानकारी के बहुत सारे बिल बिना अधिकारी की जानकारी में आए कोषालय में स्वीकृति के लिए भेज दिए जाते है)।

कोषालय में प्रस्तुत बिलों को पहले सम्बंधित क्लर्क द्वारा चेक किया जाता है। संतुष्ट होने पर क्लर्क इसे भुगतान के लिए कोषालय के भुगतान अधिकारी के पास भेजता है और इस तरह किसी भी बिल्ली भुगतान प्रक्रिया पूरी है। देखा जाए तो शिक्षकों से संबंधित एक बिल चार अलग अलग नजरों से गुजरता है उसके बावजूद भी करोड़ों के फर्जी बिलों का भुगतान हो जाता है। विश्वनीय सूत्रों के अनुसार जिस घोटाले की जांच की जा रही है वो कुल मिलाकर एक संगठित तरीके से घोटाला किया गया है, जिसमें विकासखंड कार्यालय और कोषालय के लिपिकों की संलिप्तता स्पष्ट दिखाई दे रही हैं।

अपनी ही राशि के लिए 5 से 7% बांटना पड़ता है

यह एक बड़ी विडंबना है कि शिक्षक को अपनी ही राशि के आहरण के लिए संकुल, विकासखंड और कोषालय के लिपिकों के आगे गिड़गिड़ाना पड़ता है। यहां के लिपिक भी शिक्षक की गुजारिश पर तब ही विचार करता है कि जब शिक्षक इन लिपिकों के तय सिस्टम को फॉलो करता है अगर शिक्षक ने किसी प्रकार की सिफारिश लगवाई तो लिपिकों द्वारा इन बिलों में इतनी आपत्ति लगा दी जाती है कि शिक्षक परेशान हो जाता है और अंतत : उसे इसी सिस्टम के तहत ही काम कराना पड़ता है। सूत्र बताते है हर बिल पर संकुल , विकासखंड और कोषालय का हिस्सा तय है। इसमें अनधिकृत सिस्टम की राशि का कलेक्शन संकुल और विकासखंड पर होता है, इसमें लिपिकों का गठजोड़ काम करता है।

न्यूज ब्रीफ

उज्जैन आने वाले श्रद्धालु सिर्फ मेहमान नहीं, महाकाल के अतिथि हैं- मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत है, अभिनंदन है। बीते तीन-चार दिनों के अंदर ही 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। उज्जैन आने वाले सभी श्रद्धालु सिर्फ हमारे मेहमान नहीं, स्वयं बाबा महाकाल द्वारा आमंत्रित अतिथि हैं। महाकाल ने उन्हें दर्शन देने के लिए बुलाया है। इसलिए सभी श्रद्धालुओं के सत्कार से जुड़ी हर व्यवस्था में संवेदना और आत्मीयता भी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से ही उज्जैन नगरी सिर्फ भारत नहीं, सम्पूर्ण विश्व की आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनी हुई है। उज्जैन के नागरिकों का सहयोग ही बाबा महाकाल की सच्ची सेवा है। सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर सिंहस्थ-2028 को सबसे भव्य, दिव्य और अनुशासित के साथ एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और ऐतिहासिक आयोजन बनाएंगे।

हम सब ने यह ठाना है डेंगू , मलेरिया मिटाना है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मच्छरजनित रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया आदि को इस बार इंदौर की जनता ने हरा दिया है। शासन-प्रशासन के प्रयासों और जिले की जागरूक जनता के सहयोग के चलते इस बार इंदौर शहर ने डेंगू के प्रकरणों को शतक पूरा नहीं करने दिया। पिछले बार जहां डेंगू के 550 प्रकरण रिपोर्ट हुए थे, वहीं इस वर्ष ये आंकड़ा महज 65 पर रुक गया है। मलेरिया प्रकरण भी कुल 11 रिपोर्ट हुए हैं जिनमें से अधिकांश की माइग्रेशन हिस्ट्री महाराष्ट्र की निकली है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा दुबे ने बताया कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को देखते हुए इंदौर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु ''धन्यवाद इंदौर'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलब्धि के पीछे वातावरणीय और एंटोमोलॉजिकल कारण भी निश्चित रूप से रहे हैं। वर्षाकाल का परिवर्तित रूटीन, शीतकाल का विलम्बित होना और वातावरण में आद्रता की परिस्थितियों में परिवर्तन भी मुख्य कारण रहे हैं कि इस वर्ष मच्छरजनित बीमारियां कम सामने आई है।

पहले क्या हुआ वो मुझे नहीं पता, लेकिन अब शासन के नियम से काम होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (रमसा) शासन का एक महत्वपूर्ण प्रकल्प है। इस अभियान के तहत संचालित योजनाओं में शासन के नियमों का पूरी तरह से पालन होना चाहिए। अपने पूर्ववर्ती अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक के भ्रष्ट कार्यकाल पर स्पष्ट रूप से कहा कि पहले क्या होता है मैं इस पर कोई जिक्र नहीं करूंगा, लेकिन इतना जरूर है कि अब सारे कार्य शासन द्वारा तय प्रक्रिया के अधीन ही होंगे। यह कहना है जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में रमसा के एडीपीसी पद पर पदस्थ होने वाले शौर्य मल्होत्रा का।

गौरतलब है जिला शिक्षा अधिकारी

कार्यालय में सहायक संचालक के तौर पर कार्य कर रहे शौर्य मल्होत्रा को शासन ने अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थ किया है। लगभग एक दशक से अधिक समय से इस पद पर पदस्थ नरेंद्र जैन को लेकर वैसे भी मुख्यालय में अनेक शिकायतें पहुंच चुकी थी। उनके खिलाफ एक मामले मे तो 68 लाख तक की आर्थिक अनियमितता के आरोप भी सिद्ध हो चुके है। बहरहाल पीएसी परीक्षा के बाद चयनित हुए शौर्य मल्होत्रा की एडीपीसी के पद पर पदस्थापन जिले के अधिकांश प्राचार्यों अब राहत की सांस ले सकेंगें।

अब रहेगा मॉनिटरिंग पर जोर

उन्होंने कहा कि अब स्कूलों की मॉनिटरिंग को लेकर नई योजना बनाई जाएगी। स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था के सुधार के लिए लगातार कार्य किए जाएंगे। इसको लेकर शासन ने जो भी मापदंड तय किए हैं, उस अनुसार स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्ताएं संचालित हो, इसको लेकर अब सख्त मानिटर्निंग की जाएगी।

देपालपुर में 1000 रेगपिकर्स सालों से जमा कचरा करेंगे साफ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम ने देपालपुर को गोद लिया है, जिसके तहत आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में देपालपुर को नम्बर वन बनाना है। इसके लिए देपालपुर निगम द्वारा सफाई मार्गदर्शन के साथ संसाधन भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस क्रम में देपालपुर में आज से चलेगा मिशन जीरो लेगेसी अभियान। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि देपालपुर को स्वच्छ, सुंदर एवं कचरामुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा जीरो लेगेसी अभियान का शुभारंभ मंगलवार सुबह 10 बजे किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत देपालपुर स्थित लगभग दो एकड़ भूमि को जीरो वेस्ट क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में वृहद स्तर पर सफाई कार्रवाई की जाएगी, जिससे वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का पूर्णत: निष्पादन किया जा सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को स्वच्छ, पर्यावरण अनुकूल बनाना है। इस अवसर पर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 बसों के माध्यम से लगभग 1000 रेगपिकर्स, एक जेसीबी मशीन तथा 3 डंपर से दो एकड़ क्षेत्र में फैले कचरे का संग्रहण, पृथक्कीकरण एवं निष्पादन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर निगम इंदौर के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

कोरोना काल में प्रदर्शन पर जीतू, संजय, विशाल, विनय केस से बरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कोरोना काल में धरना, प्रदर्शन के चलते प्रतिबंधात्मक धाराओं के उल्लंघन केस में तत्कालीन कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी, संजय शुक्ला, विशाल पटेल और तत्कालीन शहर अध्यक्ष कांग्रेस विनय बाकलीवाल बरी हो गए हैं। स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा यह आदेश जारी किया गया।

वर्तमान में शुक्ला और पटेल विधानसभा चुनाव हार के बाद बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। वहीं पटवारी भी चुनाव हार कर अब पूर्व विधायक व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर है। बाकलीवाल भी शहराध्यक्ष पद से हटकर प्रदेश कमेटी में शामिल है। कोर्ट में सभी चारों सोमवार दोपहर में मौजूद रहे।

यह था मामला-इन पर आरोप था का कोरोना काल में 13 जून 2020 में इन्होंने मां अहिल्या की प्रतिमा राजवाड़ा पर बैठकर बिना मंजूरी के धरना/प्रदर्शन किया। इसी मामले में सराफा थाने पर तत्कालीन टीआई अमृता सोलंकी द्वारा धारा 188 व 34 के तहत केस दर्ज किया गया।

फरियादी भी पुलिस, गवाह में भी पुलिस-आरोपियों की ओर से अधिवक्ता सौरभ मिश्रा व जय हार्डिया ने केस में पैरवी की। इस दौरान इसमें बताया गया कि खुद पुलिस ही इसमें फरियादी बनी और केस भी पुलिस ने दर्ज किया। गवाह भी थाने के ही अधिकांश कर्मचारी थे।

साथ ही जांच भी खुद फरियादी टीआई अमृता सोलंकी द्वारा की गई। इसमें कोई भी स्वतंत्र गवाह नहीं था। वहीं जब गवाहों के क्रास बयान हुए तो कोई भी धरना व प्रदर्शन किन मांगों को लेकर था यह बता नहीं सका। ना ही यह बता सके कि धरना व प्रदर्शन में क्या अंतर है।

एक परिवाद तो 31 फरवरी के नाम पर

वहीं आश्चर्यजनक रूप से पुलिस ने एक और चूक की। प्रतिबंधात्मक धारा संबंधी केस में कलेक्टर की मंजूरी के परिवाद भी लगते हैं। इस केस में दो परिवाद लगाए गए और एक परिवाद में तारीख 31 फरवरी 2021 बताई गई, जबकि फरवरी 28 या 29 फरवरी की ही होती है। वहीं दोनों ही परिवाद और एफआईआर का ब्यौरा भी अलग-अलग है। इन सभी आधारों पर स्पेशल कोर्ट एमपी, एमएलए के न्यायाधीश देव कुमार द्वारा आरोपीगण को दोषमुक्त किया गया।

कमलनाथ ने संसद में पेश कैग रिपोर्ट के हवाले से लगाया आरोप

देश में स्किल डेवलपमेंट के नाम पर करोड़ों का घोटाला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बयान जारी कर कहा कि कैग रिपोर्ट के अनुसार भाजपा सरकार की स्किल इंडिया पीएमकेवीवाय योजना में 9,200 करोड़ से अधिक का घोटाला सामने आया है। युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना में 2015 से 2022 के बीच 1.32 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करने के नाम पर 10,194 करोड़ प्रस्तावित हुए, लेकिन 18 दिसंबर को संसद में प्रस्तुत कैग की परफॉर्मेंस ऑडिट रिपोर्ट ने इस योजना में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं की परतें खोल दी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीएमकेवीवाय 2.0 और 3.0 में 94 प्रतिशत से अधिक लाभार्थियों के बैंक खाते फर्जी या अमान्य पाए गए। कई मामलों में एक ही खाता हजारों उम्मीदवारों से जोड़ा गया और एक ही फोटो के आधार पर सैकड़ों को अलग-अलग राज्यों में प्रशिक्षित दिखा दिया गया। यह न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ धोखा भी है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि प्लेसमेंट के आंकड़े जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए। कई स्थानों पर बंद या नाममात्र के प्रशिक्षण केंद्रों को सक्रिय बताकर हजारों युवाओं की फर्जी ट्रेनिंग दर्ज कर दी गई। यहां तक कि एक ही व्यक्ति द्वारा एक ही दिन में कई राज्यों में निरीक्षण किए जाने की प्रविष्टियां दर्ज की गईं, जो पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं।

इंदौर-भोपाल मेट्रो में क्यूआर कोड और स्मार्ट कार्ड से मिलेंगे टिकट, लागू होगा ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर और भोपाल के मेट्रो प्रोजेक्ट में यात्रियों को अब टिकट लेने में कोई परेशानी नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो के सिस्टम की तर्ज पर यहां भी ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (AFC) सिस्टम लागू किया जाएगा। इसके लिए 25 दिसंबर को दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता (MOU) साइन किया गया है। इस सिस्टम के लागू होने से, यात्रियों को क्यूआर कोड और स्मार्ट कार्ड के माध्यम से टिकट लेने का मौका मिलेगा, जिससे सफर करना आसान और तेज हो जाएगा।

क्यूआर कोड और स्मार्ट कार्ड से मिलेगा टिकट-अब तक इंदौर और भोपाल मेट्रो स्टेशनों पर मैन्युअल टिकट दिए जा रहे थे, जो यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन रहे थे। खासकर, टिकट काउंटरों पर लंबी लाइनें लगती थीं और समय की भी बर्बादी होती थी। लेकिन इस नए सिस्टम से ये सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। अब क्यूआर कोड और स्मार्ट कार्ड के जरिए यात्री सीधे अपने टिकट पा सकेंगे और बिना किसी रुकावट के मेट्रो में यात्रा कर सकेंगे।

ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम का महत्व-भोपाल-इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए यह नया ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम एएफसी को लागू करने के लिए मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने तुर्की की कंपनी एसिस इलेक्ट्रॉनिक को 186 करोड़ रुपये का ठेका दिया था। हालांकि, इस कंपनी से जुड़ी एक पुरानी विवादित घटना के कारण, कंपनी की सेवा लेने से इंकार कर दिया गया था। अब, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) इस सिस्टम को स्थापित करेगा, जो संपर्क रहित और सुरक्षित किराया भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा।

भोपाल में मिसलेनियस टिकट की शुरुआत-भोपाल के एम्स मेट्रो स्टेशन पर कुछ समय पहले एक शिकायत आई थी, जिसमें यात्रियों को टिकट नहीं मिल रहे थे। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए मेट्रो प्रशासन ने अब मिसलेनियस (गैर श्रेणी) टिकट जारी करना शुरू कर दिया है। इसके लिए यात्रियों को मेट्रो चलने से पांच मिनट पहले काउंटर पर पहुंचना होगा, जिससे कोई असुविधा न हो।

अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन निर्माण की योजना

इंदौर में मेट्रो स्टेशन के निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। रीगल तिराहा स्थित पुराने एसपी कार्यालय परिसर में अंडर ग्राउंड स्टेशन बनाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। मेट्रो प्रबंधन ने इसके लिए आवश्यक काम शुरू कर दिया है, जिसमें टिनशेड लगाने और खोदाई की प्रक्रिया शामिल है। खास बात यह है कि इस ऐतिहासिक पुलिस कार्यालय परिसर को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचेगा।

उल्टे हनुमान मंदिर पहुंचे कलेक्टर कलेक्टर, एसडीएम व नगर परिषद सीएमओ को दिए सख्त निर्देश

डॉ. अतुल लाड़ना

सांवेर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

श्री पाताल विजय उटले हनुमान मंदिर परिसर एवं आसपास की अव्यवस्थाओं को लेकर लंबे समय से उठ रही जनभावनाओं और बढ़ते रोष के बीच सोमवार को जिला कलेक्टर स्वयं मंदिर पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद मंदिर समिति द्वारा पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन पर मौके पर ही गंभीर व विस्तृत चर्चा की गई,

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि दिनांक 23 दिसंबर 2025 को दिए गए ज्ञापन पर आज दिनांक तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है, जिससे श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है। ज्ञापन में मंदिर मार्ग पर फैली अव्यवस्थाएं, नॉनवेज दुकानों का संचालन, आवारा पशुओं की समस्या, नियमित सफाई का अभाव, अव्यवस्थित पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए।

अब नहीं चलेगी लापरवाही-

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) एवं नगर परिषद सीएमओ को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए कि मंदिर मार्ग एवं आसपास की सभी समस्याओं पर तत्काल और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए मंदिर की पवित्रता से खिलवाड़ करने वालों पर बिना ढिलाई के सख्त कदम उठाए जाएं

सफाई, सुरक्षा, प्रकाश, पार्किंग एवं व्यवस्था सुधार को प्राथमिकता में लिया जाए-कलेक्टर ने दो टूक कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था, मंदिर की गरिमा और स्वच्छता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा तथा दिए गए आश्वासन केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मैदानी स्तर पर परिणाम दिखाई देंगे।

मंदिर समिति ने कलेक्टर के मंदिर आगमन, पूजा-अर्चना एवं ठोस प्रशासनिक निर्देशों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि अब कार्रवाई में देरी हुई तो जिम्मेदारी तय की जाएगी और जनता को जल्द राहत मिलेगी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।